चैत्र शुक्ल - 11 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 250 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 08-04-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

|| वंदे श्री ऋषभं वीरं ||

JAIN INTERNATIONAL TRADE ORGANISATION

JITO BANGALORE

जैन धर्म ने दिया विश्व को, अनुपम एक उपहार है।
आओ मिलकर जाप करे, ये महामंत्र नवकार है।

ONE WORLD, ONE CHANT
TOGETHER FOR PEACE

सिर्फ मंत्र नहीं ये, कर्मों का क्षय करने का उपचार है।
आओ मिलकर जाप करें ये महामंत्र नवकार है।

9 APRIL '25
WEDNESDAY

TIMING
7.00 AM TO 9.45 AM

अल्पहार की व्यवस्था कार्यक्रम के पश्चात्

पहले 1000 प्रतिभागियों को
गिफ्ट की व्यवस्था
फ्रीडम् पार्क में रखी गई है।

सामायिक की
व्यवस्था रखी गई है।

विश्व नवकार महामंत्र दिवस

Courtesy by:
micro print & pack
Design, Print and Packaging Solutions
www.microprintpack.com

Co-Courtesy by:
ONE SOURCE INTERIOR & EXTERIOR PRODUCTS
M/s One Source, Shanthinagagr

M.K.SILK & SAREES
Bangalore

विश्व कल्याण के लिए जुड़ें, नवकार महामंत्र का जाप करें

भारत सहित जुड़ेंगे **108 देशों के** लाखों लोग | **100+** मेगा इवेंट्स | **6000+** देरासर / उपाश्रय / स्थानक / भवन से सीधा प्रसारण

फ्रीडम् पार्क में निश्रादाता गुरु भगवंत
प.पू.आचार्य श्री अभयशेखरसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.आचार्य श्री विमलसागरसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू. श्री विरेन्द्रमुनिजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.श्री पंकजमुनिजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.पं. श्री विमलपुण्यविजयजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.मु.श्री मलयप्रभसागरजी म.सा. आदि ठाणा

उपस्थित साध्वीजी भगवंत
प.पू.सा.श्री कंचनकवरजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.सा.श्री उज्वलज्योतिश्रीजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.सा.श्री पुण्यनिधिश्रीजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.सा.श्री पावनप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.सा.श्री संयमलताजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.सा.श्री सुप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.सा.श्री परमसौम्यजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.सा.श्री तत्त्वज्ञाजी म.सा. आदि ठाणा

विभिन्न जाप स्थानों पर निश्रादाता गुरु भगवंत :
प.पू.आचार्य श्री पार्श्वचन्द्रजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.आचार्य श्री उदयप्रभसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा
प.पू.श्री विनयमुनिजी म.सा. आदि ठाणा

साध्वीजी भगवंत
प.पू.सा.श्री मेघाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा

बेंगलोर में विराजित समस्त आचार्य भगवंत, साधुजी एवं साध्वीजी भगवंत को कोटिश: वंदन करते हुए निवेदन करते है कि नवकार महामंत्र दिवस में विभिन्न स्थलों पर आयोजित नवकार महामंत्र जाप में आपकी पावन निश्रा प्रदान कर हमें आर्शीवाद प्रदान करें।

सकल श्री संघ से नम्र निवेदन है कि दि. 9 अप्रैल 2025 को बैंगलोर के समस्त आराधना भवन, उपाश्रय, स्थानक, तेरापंथ सभाभवन एवं दिगंबर मंदिरजी में सुबह 7-00 बजे से 9-45 बजे तक विश्व नवकार महामंत्र जाप आयोजन हेतु सहभागी बनें।

सकल संघ व समाज से निवेदन है कि इस आयोजन में भाग लेकर वैश्विक शांति, करुणा और एकता के लिए नवकार महामंत्र जाप करें और इस ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक जागरण का हिस्सा बनें।

Main Venue: FREEDOM PARK Gandhinagar, Bangalore-09

Other Venues:

- MAHAVEER DHARMASHALA, VV Puram
- GANESH BAGH, Infantry Road
- MEWAR BHAVAN, Yeshwantpur
- SRI SAMBHAVNATH JAIN TEMPLE, VV Puram
- SRI DHARMANATH JAIN TEMPLE, Jayanagar
- SRI VARDHAMAN STHANAKVASI JAIN SHRAVAK SANGH, Hanumanthnagar
- TERAPANTH SABHABHAWAN, Rajrajeshwarinagar
- KHANDELWAL DIGAMBAR JAIN TEMPLE, Wilson Garden
- Arham Bhawan, RPC Layout
- SHRI GYANODAY DIGAMBER JAIN TEMPLE, Whitefield
- SHREE HEERA BAGH STHANAK, Seppings Road
- SRI VIMALNATH JAIN TEMPLE, Basavanagudi

JITO BANGALORE SOUTH

Ranjeet Solanki – Chairman; Mahendra Jiani – Vice Chairman; Mahendra Ranka – Vice Chairman; Rajkumar Kothari – Vice Chairman; Rajendra Dantewadia – Vice Chairman; Nitin Lunia – Chief Secretary
Nemichand Chopra – Treasurer; Komal Bhandari – Secretary; Pratik Gandhi – Secretary; Mahaveer Dantewadia – Jt. Treasurer; Narendra Sanklecha – Jt. Treasurer

Chetan Bohra, Chetan Ladhani, Dinesh Mehta, Hitendra Jain, Inder Nahar, Kamlesh Nahar, Lalith Bagrecha, Mahaveer Bhansali, Manish Gulechha, Praveen Sofadiya, Rajesh Bhansali, Raunak Gulecha, Safal Sakaria, Shreyans Rakhecha, Tejpal Jain, Vijay Mehta

JITO LADIES: Babita Raysoni – Chairperson; Nidhi Palrecha – Chief Secretary
JITO YOUTH: Mehul Srisrimal – Chairman; Rishab Chopra – Chief Secretary

JITO BANGALORE NORTH

Vimal Kataria – Chairman; Kamal Punmiya – Vice Chairman; Dinesh Bafna – Vice Chairman; Vijay Singhvi – Chief Secretary; Narendra Achha – Treasurer; Ashok G Bhandari – Secretary
Madan B Jain – Secretary; Pankaj S Balar – Secretary; Preteesh Jain – Secretary; Kishore S Karnawat – Jt. Treasurer

Arun Kumar Jain, Arvind Kumar Taprawat, B Ramesh Chand Bohra, Chandra Shekar Jain, Dinesh Kumar Khivesara, Dinesh Lodha, Nemi Chand Dalal, Nitesh Kumar Gandhi, Pramit J Bafna, Praveen Kumar Chowhan, Rakesh Choudhary, Ramesh Chand B Dak, Rhakesh Pokarana, Satish Porwad, Siddarth Patwa, Sunil Kumar D, Sunilkumar Lodha, Suresh Kumar Ganna, Vinod Nandawat, Yogesh Chowdhary,

JITO LADIES: Laxmi Bafna – Chairperson; Raksha Chajjed – Chief Secretary
JITO YOUTH: Anish Bhojani – Chairman; Ashish Taprawat – Chief Secretary

AWAS NIWAS PROJECT TEAM
Kiran Gala – Project Chairman; Mahendra Jiani – Vice Chairman; Kamal Shah – Secretary

JITO KKG ZONE
Praveen Bafna – Chairman; Santosh Porwal – Vice Chairman; Dilip Jain – Chief secretary; Omprakash Jain – Treasurer

JITO APEX DIRECTOR FROM KKG ZONE
Sripal Bachawat – Secretary JITO Apex; Praveen Bafna – Director JITO Apex; Bherumal Bhandari – DIC Shraman Arogyam; Narendra Singh Samar – Director; Praveen Shah – DIC Youth Wing Apex; Shailesh Haran – DIC JIIF JITO Apex; Pushpak R Hanamannavar – DIC Minority

JITO BANGALORE PAST CHAIRMAN
Tejraj Gulecha, Prakashchand Singhvee, Rajendra Gandhi, Paras Jain, Sripal Khivesara, Ashok S Nagori, Dinesh Bohra, B Inderchand Bohra

नोट: पार्किंग की व्यवस्था फ्रीडम पार्क मल्टी लेवेल पार्किंग में निशुल्क रखी गई है।
ड्रेसकोड़: पुरुषवर्ग सफेद वस्त्र एवं महिलाएं लाल चुनडी में पधारें।

97, 1st Floor, Mahaveer Arcade, Sirsi Road,Chamrajpet, Bengaluru – 560 018, Tel: 080-2670 5511 / 2670 5533, Email: bangalorechapter@jito.org, Website: www.jitobangalore.com
85, 1st Floor, 59th Cross Rd, 4th Block, Rajajinagar, Bengaluru-560010, Mob: 99025 69865, Email: bangalorenorth@jito.org, Website: jitobangalorenorth.org

रामकथा श्रवण कर भारतीय राजपुताना सेवा संगठन ने मनाया अपना स्थापना दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय राजपुताना सेवा संगठन ने अपने स्थापना दिवस व रामनवमी के मौके पर तीन दिवसीय राम कथा का आयोजन किया। प्रख्यात कथा वाचिका राजनंदनीजी ने कथा में भगवान श्रीराम के आदर्शों, उनके जीवन के प्रेरणादायक प्रसंगों और मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में उनकी भूमिका को अत्यंत भावपूर्ण एवं सरल भाषा में प्रस्तुत किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिलसिंह सिकरवार ने कहा कि हमारा संगठन केवल सामाजिक कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी जड़ें धर्म, संस्कृति और मर्यादा में गहराई से जुड़ी हैं। इस आयोजन में संगठन के पदाधिकारी, युवा कार्यकर्ता, समाजसेवी और विभिन्न राज्यों से आए राजपूत समाज के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

टाइगर ट्रायम्फ में सैनिकों ने दिखाया दम, युद्ध गतिविधियों का शानदार अभ्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत-अमेरिका त्रि-सेवा मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभ्यास 'टाइगर ट्रायम्फ 2025' के हिस्से के रूप में भारतीय सेना और अमेरिकी सशस्त्र बलों के सैनिकों ने संयुक्त शारीरिक प्रशिक्षण, मार्शल आर्ट और पर्वतीय युद्ध गतिविधियों में भाग लिया। भारतीय सेना की एम्फीबियस ब्रिगेड के 8 गोरखा इन्फेंट्री बटालियन समूह, बाइसन डिवीजन और अमेरिकी सेना की 11वीं एयरबोर्न डिवीजन के 'बॉबकैट्स' सैनिकों ने पूर्वी बेड़ा मुख्यालय के खेल परिसर में आयोजित संयुक्त योग और मार्शल आर्ट सत्र में भी भाग लिया।

इन गतिविधियों में सूर्य नमस्कार सहित विभिन्न योगासन शामिल थे। इसके बाद भारतीय सेना की स्वदेशी मार्शल आर्ट प्रणाली 'अमर' से परिचय कराया गया। इसके तहत दोनों टुकड़ियों द्वारा एकजुटता से संचालित निकट युद्ध तकनीक और आत्मरक्षा अभ्यास किए गए। इसमें साझा अनुशासन और युद्ध की स्थिति पर प्रकाश डाला गया। इसके अलावा संयुक्त प्रशिक्षण आईएनएस कर्ण पर आयोजित किया गया, जिसमें पर्वतीय युद्ध कौशल और वर्टिकल गतिशीलता पर ध्यान केंद्रित किया गया। दोनों पक्षों के सैनिकों को पर्वतीय क्षेत्र के उपकरणों की जानकारी दी गई। उन्होंने विभिन्न नॉट्स और अड़चनों का अभ्यास किया। इस सत्र में चट्टान पर चढ़ने, रैपलिंग और फिसलने की तकनीकों का प्रशिक्षण भी शामिल था, जो पहाड़ी और ऊबड़-खाबड़ इलाकों में काम करने के लिए जरूरी होता है।

शाम को सांस्कृतिक आदान-प्रदान संबंधी कार्यक्रम हुआ। भारतीय सेना ने गोरखा सैनिकों द्वारा किया जाने वाला पारंपरिक खुखरी-आधारित मार्शल नृत्य 'गोरखा फ्यूरी' प्रदर्शित किया। इसे अमेरिकी सैन्य टुकड़ी ने बहुत सराहा।

प्रभु महावीर के 2624वें जन्मकल्याणक कार्यक्रम की तैयारियां आखिरी चरण में

साधु साध्वियों के सान्निध्य एवं गणमान्यजनों की उपस्थिति में होगा महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन युवा संगठन द्वारा समस्त जैन समाज के सहयोग से 10 अप्रैल को फ्रीडम पार्क कुंडलपुरी नगरी में श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्मकल्याणक महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की रूपरेखा व तैयारियों की जानकारी देने के लिए संगठन द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में समिति के अध्यक्ष महावीर मुणोत ने कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष बेंगलूरु में विराजित सभी सम्प्रदाय के जैन साधु साध्वियों के सान्निध्य में यह भव्य आयोजन होगा। प्रवचन के पश्चात साधु साध्वियों द्वारा महामांगलिक प्रदान किया जाएगा। इस मौके पर प्रभु महावीर का महाअभिषेक सहित अनेक सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुणोत ने बताया कि इस समारोह का उद्घाटन राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार करेंगे तथा उनके साथ स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव, राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरोया, सांसद पी सी मोहन, पूर्व महापौर गौतमकुमार मकाना, चिकपेट आदिनाथ जैन संघ के अध्यक्ष गौतम सोलंकी, जैन कॉन्फ्रेन्स के प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, दिगम्बर कर्नाटक जैन एसोसिएशन के अध्यक्ष बी वी प्रसन्नैया, वर्धमान प्रसादी के लाभार्थी विमल कटारिया सहित अनेक सभा संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित होंगे। मंत्री नीरज कटारिया ने श्रमण भगवान के जन्म कल्याणक महोत्सव की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि 10 अप्रैल को सुबह टाउन हॉल से जैनत्व सिद्धांत एवं प्रभु महावीर के अहिंसा के सिद्धांतों का प्रदर्शन करते हुए झांकियों सहित विशाल अहिंसा शोभायात्रा रवाना होगी और फ्रीडम पार्क पहुंचकर भगवान महावीर स्वामी का जन्मकल्याणक महोत्सव की धर्मसभा में परिवर्तित होगी। धर्मसभा में संतों के प्रवचन व सामूहिक महामांगलिक का आयोजन किया गया है।

मीडिया समिति के चेयरमैन हितेश कांकलिया ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी इस कार्यक्रम में समस्त जैन समाज की सैंकड़ों संघ संस्थाओं का अलग अलग सेवाओं के रूप में सहयोग प्राप्त हो रहा है। विशेष चैत्र महीने की ओली तप आराधना करने वाले तपस्वियों के लिए कुंडलपुर नगरी में आयंबिल की व्यवस्था भी की जा रही है। इस बार जन्मकल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में सायंकालीन आध्यात्मिक कार्यक्रम के तहत प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ चरित्र की भव्य प्रस्तुति 'भक्तामर स्तोत्र एक दिव्य स्तुति' का आयोजन होने जा रहा है। इस वर्ष भी समाजसेवा, ज्ञान, स्वास्थ्य, जैन साहित्य, रक्तदान सहित विभिन्न खाद्य व पेय पदार्थों के स्टाल लगाए जाएंगे।

साथ ही इस अवसर पर संगठन के उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, कोषाध्यक्ष संतोष डुंगरवाल, सहमंत्री सुश्रुत चेलावत, पूर्व अध्यक्ष दिनेश खिंवेसरा, वीऑईपी समिति के चेयरमैन मोतीलाल गोटावत, बैनर समिति के चेयरमैन भारत रूणवाल, वरिष्ठ सदस्य सुनील लोढ़ा, कार्यकारिणी सदस्य आतिश धोका, गौतम बांठिया एवं कमल चोरड़िया उपस्थित थे।

देश के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में मार्च में नियुक्तियां 62 प्रतिशत बढ़ीं

मुंबई/भाषा। भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में मार्च महीने के दौरान नौकरियों में सालाना आधार पर 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो तकनीकी प्रगति और चिकित्सा सेवाओं की बढ़ती मांग से प्रेरित है। सोमवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

फाउंडइट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वी सुरेश ने कहा, ''भारत का स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र एक नए युग में प्रवेश कर रहा है, जहां तकनीक और प्रतिभा, परिवर्तनकारी बदलाव ला रही है। हमारे नवीनतम आंकड़ों में कृत्रिम मेधा (एआई), डिजिटल स्वास्थ्य और सूचना विज्ञान में भूमिकाओं की मांग में तेज वृद्धि को दर्शाया गया है, जो नवाचार और रोगी-केंद्रित देखभाल की ओर एक क्षेत्रव्यापी बदलाव को दर्शाता है।''

गायत्री परिवार 'ज्योति कलश यात्रा' के माध्यम से फैलाएगा ज्ञान का प्रकाश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल विश्व गायत्री परिवार की बेंगलूरु इकाई गायत्री चेतना केंद्र कुडलू गेट के पास ज्योति कलश यात्रा का शुभारंभ रामनवमी के दिन हुआ। इस मौके पर शांतिकुंज के वरिष्ठ प्रतिनिधि व दक्षिण भारत के प्रभारी परमानंद द्विवेदी, कर्नाटक राज्य के प्रतिनिधि डॉ सौरभ मिश्रा की उपस्थित रही। ज्योति कलश शांतिकुंज हरिद्वार से 2400 तीर्थों का पावन जल एवं रज के साथ वेदमंत्रों द्वारा अखिल विश्व गायत्री परिवार की अधिष्ठात्री शैलबाला पंड्या जीजी ने अभिमंत्रित करके ज्योति कलश को यात्रा का स्वरूप प्रदान किया। यह ज्योति कलश यात्रा दक्षिण भारत के प्रत्येक जन-जन एवं घर-घर में ज्ञान के प्रकाश से आलोकित होगी। ज्ञातव्य है कि वर्ष 2026 गायत्री परिवार के संस्थापक गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा द्वारा प्रज्वलित अखंड दीपक एवं माता भगवतीदेवी शर्मा के जन्म का शताब्दी वर्ष है, जो अखिल विश्व में ज्योति कलश यात्रा के रूप में मनाया जा रहा है।

ज्योति कलश यात्रा व 108 कलशों की विशेष पूजा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बोम्मनहल्ली के विधायक एम सतीश रेड्डी ने ने शांतिकुंज प्रतिनिधियों के सान्निध्य में किया।

इस मौके पर सतीश रेड्डी का सम्मान शांतिकुंज प्रतिनिधि कर्नाटक राज्य के समन्वयक शेखर चतुर्वेदी ने किया। विधायक रेड्डी ने ज्योति कलश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ज्ञानरथ में ज्योति कलश के साथ आदि गुरु भगवान शिव ,मां गौरा पार्वती विराजमान थे। कलश यात्रा विभिन्न मार्गो से होते हुए शिव पंचलिंगेश्वर मंदिर बेगूर होते हुए अपने गंतव्य स्थान पर पहुंची। तत्पश्चात 2400 प्रज्वलित दीपकों के साथ दीप यज्ञ संपन्न हुआ।

गुरुदेव इकतीसा जाप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा मलयप्रभसागरजी एवं मुकुलप्रभसागरजी की प्रेरणा से अनंत उपकारी युगप्रधान दादा गुरुदेव का अत्यन्त चमत्कारी इकतीसे का पाठ आयोजित किया गया। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। मंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि इस बार गुरुदेव इकतीसा का पाठ बाबूलाल, गौतमकुमार, मनोजकुमार ललवानी परिवार के निवास पर आयोजित हुआ जिसमें बड़ी संख्या में उपस्थित सदस्यों ने भक्ति कार्यक्रम में भाग लिया।

जैन श्रावकाचार है सबके प्रति न्याय : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सोमवार को पार्क वेस्ट अपार्टमेन्ट के बैंक्वेट हॉल में चारों प्रमुख जैन संप्रदायों की संयुक्त धर्मसभा को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जैन श्रावकाचार पृथ्वी पर गृहस्थ के लिए सर्वश्रेष्ठ जीवनशैली है। जीव-जंतु, पशु-पक्षी, मनुष्य, जलवायु और पर्यावरण, सबके प्रति सर्वाधिक न्याय इसी जीवनशैली से संभव है। सामान्य से विशेष और सरल से कठिन, इस प्रकार इसके अनेक स्वरूप हैं। यह किसी पर अपनी धार्मिक मान्यता थोपने की चेष्टा नहीं, सुख-शांति पूर्वक अपना जीवन जीते हुए दूसरों को भी शांति तथा गौरव से जीने देने की व्यवस्था है। जैन दर्शन की मान्यता है कि परस्पर उपकार व सहयोग भाव से ही इस संसार में जीवनयापन हो सकता है। इस तरह ज्ञानपूर्वक आई वैचारिक क्रांति से ही जैन श्रावकाचार की परिपालन हो सकती है। जैन श्रावकाचार को सिर्फ धार्मिक मान्यता के रूप में देखना उचित नहीं है। यह एक सार्वभौमिक समुचित व्यवहारिक जीवनचर्या है। कुछ अपनाना, कुछ का त्याग कर देना, निर्धारित प्रतीकों या वस्त्रों को धारण करना, रात्रि भोजन न करना, तपस्या करना अथवा नित्य पूजा-पाठ करना, इतनी सीमित या संकुचित जीवनशैली नहीं हैं जैन श्रावकाचार। यदि जैन अनुयायी श्रावकाचार की संपूर्ण परिभाषा और उसके रहस्यों को नहीं समझते हैं तो वह उनकी कमजोरी हैं।

जैनाचार्य ने आगे कहा कि प्राणीमात्र को बचाने का प्रयत्न करना, अकारण हिंसा से बचना, पानी, बिजली खनिज, वनस्पति आदि प्राकृतिक संपदा को व्यर्थ न करना, संसाधनों का मर्यादित उपयोग करना, चोरी न करना, झूठ न बोलना, वेश्यावृत्ति न करना, भोगविलास की वृत्तियों को नियंत्रित करना, व्यसनमुक्त जीवन जीना, अधिक मात्रा में साधन-सामग्रियों को एकत्रित न करना, कम नाप-तोल न करना, मिलावट न करना, विश्वासघात न करना, बकाया धन चुकता करना इत्यादि जैन श्रावकाचार के धर्मशास्त्रों में वर्णित अनेकानेक नीति-नियम हैं। ये बंधन नहीं, आदर्श गृहस्थ जीवन की आधारशिला है। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि मर्यादाओं और नीति-नियमों के बिना जीवन की गति-प्रगति का कोई निर्धारण नहीं हो सकता। मनुष्य के भटकते मन के लिये नीति-नियम अंकुश का काम करते हैं। विनोद राठौड़ ने कार्यक्रम की संयोजना की। कमलेश राठौड़ ने बताया कि नगरथपेट से संतजनों के पार्क वेस्ट पधारने पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने एकत्रित होकर उनका स्वागत किया।

उत्तरप्रदेश अग्रवाल सेवा समाज का होली मिलन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय उत्तरप्रदेश अग्रवाल सेवा समाज के सदस्यों ने होली मिलन समारोह का आयोजन गांधीनगर स्थित सुखसागर होटल में किया जिसमें 'फागुन की एक शाम, खाटू श्यामजी के नाम' भजन संध्या का आयोजन किया। इस आयोजन में भजन गायक कलाकारों ने बाबा श्याम के भजनों की प्रस्तुति दी और बाबा के संग फूलों की होली खेली। इस समारोह में संस्था द्वारा बाबा श्याम का विशेष दरबार सजाया गया। उपस्थित सदस्यों ने बाबा श्याम के दरबार में हाजरी लगाई। इस मौके पर समाज के अध्यक्ष देवेन्द्रकुमार जिन्दल, उपाध्यक्ष सूरज अग्रवाल, हृदेश गुप्ता, सचिव धर्मेन्द्र गुप्ता, सहमंत्री संदीपकुमार, कोषाध्यक्ष दिनेश मित्तल, विनय गोयल सहित चन्द्रप्रकाश, मनोहरलाल गुप्ता, अशोक गुप्ता, राजेन्द्रकुमार गर्ग, शांतनु गर्ग, महेशचन्द अग्रवाल, नरेन्द्र गर्ग सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

जेएसपीएल खिलाड़ियों ने खेल मैदान पर किया नवकार मंत्र दिवस का रजिस्ट्रेशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन स्पोर्टस प्रीमियर लीग द्वारा आयोजित सीजन 4 प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 8 टीमों के 120 खिलाड़ियों ने लोयला मैदान पर विश्व नवकार दिवस के लिए रजिस्ट्रेशन किया। प्रतियोगिता में बर्ड आई, वीआर लायन्स, किंग्समैन टीम और मरुधर टीम सेमीफाइनल में पहुंची। 13 अप्रैल को सेमी फाइनल और फाइनल होंगे। इस टूर्नामेंट के मुख्य प्रायोजक वैभव ग्रुप के पंकज बॉलर एवं ट्रॉफी स्पॉन्सर दादीज के विजय जैन हैं। जीतो नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी एवं नवकार दिवस के संयोजक दिनेश खिंवेसरा ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर जीतो के रमेश दक, नीतेश गांधी, सुनील लोढ़ा, दिनेश लोढ़ा, पंकज बॉलर, दिनेश पारलेचा, प्रवीण चौधरी, अरविंद टपरावत, यूथ मंत्री आशीष टपरावत उपस्थित थे। इस मौके पर जेएसपीएल के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

महिला से छेड़छाड़ मुद्दे पर टिप्पणी के लिए परमेश्वर से इस्तीफा लें राहुल, प्रियंका : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बेंगलुरु में छेड़छाड़ की घटना पर राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर के बयान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से उनका इस्तीफा लेने की सोमवार को मांग की। परमेश्वर ने कहा था कि बेंगलुरु जैसे बड़े शहर में महिलाओं से छेड़छाड़ जैसी घटनाएं होती रहती हैं, हालांकि पुलिस की मुस्तैदी के कारण शहर में शांति है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने दावा किया कि परमेश्वर ने 2017 में कर्नाटक की राजधानी में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की घटनाओं के दौरान इन अपराधों को महत्वहीन बताते हुए इसी तरह की टिप्पणी की थी।

भाजपा नेता ने संवाददाताओं से कहा कि प्रदेश कांग्रेस नेता ने देश को, विशेषकर राज्य की महिलाओं को झकझोर देने वाली घटना को महत्वहीन बताकर चौंकाने वाली, स्त्री विरोधी, पितृसत्तात्मक और घृणित मानसिकता को प्रदर्शित किया है। परमेश्वर ने सुड्डागुंतेपल्या में सुनसान जगह पर एक महिला से छेड़छाड़ की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए उक्त टिप्पणी की थी। मंत्री ने कहा, बारिश हो या सर्दी, हर स्थिति में पुलिस चौबीसों घंटे काम कर रही है। यही वजह है कि बेंगलूरु में शांति है। बेंगलूरु जैसे बड़े शहर में इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं। पूनावाला ने कहा कि शहर की पुलिस अपराधियों को पकड़ने में विफल रही है और उन्होंने मंत्री पर अपराधियों के साथ खड़े होने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस शासित राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि परमेश्वर ने 'महाभारत' की पात्र द्रौपदी के अपमान को भी छोटी सी घटना समझकर नजरअंदाज कर दिया होगा, जबकि इसके कारण पांडवों और कौरवों के बीच युद्ध छिड़ गया था। पूनावाला ने सवाल किया कि क्या प्रियंका गांधी का ''लड़की हूं, लड़ सकती हूं'' अभियान, जिसे उन्होंने 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा शासित राज्य (उप्र) में चलाया था, महज एक ''खोखला दिखावा और नारा'' था। उन्होंने कहा, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए और जी परमेश्वर से इस्तीफा मांगना चाहिए।

भाजपा प्रवक्ता ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधने के लिए एक इजराइली पर्यटक के साथ हुए सामूहिक बलात्कार सहित महिलाओं के खिलाफ अपराध के कई मामलों का हवाला दिया और कहा कि अतीत में कांग्रेस के कई नेताओं ने महिलाओं के संबंध में इसी तरह के भड़काऊ बयान दिए हैं।

अमेरिकी शुल्क से भारत में विनिर्माता 'बहुत' चिंतित नहीं: आईटी सचिव कृष्णन

नई दिल्ली/भाषा। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विनिर्माता भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार अमेरिका द्वारा हाल ही में आयात शुल्क में की गई बढ़ोतरी से 'बहुत' चिंतित नहीं हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी सचिव एस कृष्णन ने सोमवार को यह बात कही।

हालांकि, उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि शुल्क की स्थिति आगे क्या होती है। कृष्णन ने इंडियन कंप्यूटर इमर्जेन्सी रिस्पांस टीम (सर्ट-इन) कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा, ''हम भारत में विनिर्माताओं के साथ इस बारे में परामर्श कर रहे हैं। इसके बारे में हम उनसे निरंतर बात कर रहे हैं। वे अभी बहुत चिंतित नहीं हैं, लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि यह पूरी स्थिति कैसे होती है। यह एक गतिशील स्थिति है।'' अमेरिका ने दो अप्रैल को भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत शुल्क लगाया है, जो नौ अप्रैल से प्रभावी होगा।

क्षेत्र की कंपनियों का मानना है कि इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में भारतीय उद्योग बेहतर स्थिति में हैं।

अमेरिका ने जहां भारत पर 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है, वहीं उसके प्रतिस्पर्धी वियतनाम पर 46 प्रतिशत, चीन पर 34 प्रतिशत, इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत, ताइवान पर 32 प्रतिशत तथा थाइलैंड पर 36 प्रतिशत शुल्क लगाया है। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण परिदृश्य में मोबाइल फोन का सबसे बड़ा योगदान है, जिसमें एप्पल तथा सैमसंग देश की शीर्ष निर्यातक हैं।

अधिकांश आईफोन चीन में बनाए जाते हैं, उसके बाद भारत का स्थान है। सैमसंग का भारत के बाद वियतनाम में सबसे बड़ा कारखाना है।

■ चैत्र शुक्ल - 11 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 250 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 08-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 मेरी विधानसभा में सफाई ना हो तो और जगह क्या बोलूंगा? : दिलावर

6 वक्फ ढांचे में कानूनी बदलाव बदले समय का प्रमाण

7 विजय माल्या का दावा, भारतीय बैंकों ने उन पर बकाया के मुकाबले दोगुना वसूला

फर्स्ट टेक

आईएनएस सह्याद्री कोलंबो पहुंचा

नई दिल्ली/भाषा। हिंद महासागर क्षेत्र में तैनात भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस सह्याद्री कोलंबो पहुंचा है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह यात्रा भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री संबंधों को मजबूत करने पर प्रकाश डालती है। अधिकारियों ने कहा कि दोनों नौसेनाओं के कर्मी परिचालन तालमेल बढ़ाने के लिए जानकारी साझा करने और संयुक्त गतिविधियों में शामिल होंगे। अधिकारियों ने बताया कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी को रेखांकित करती है।

विशेष स्मृति टिकट

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा ने दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की पुनः स्थापना की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर सोमवार को संयुक्त रूप से विशेष स्मृति टिकट का एक सेट जारी किया। इन टिकट में दोनों देशों की जीवंत पारंपरिक वेशभूषा को खूबसूरती से दर्शाया गया है। इनमें एक पुर्तगाली महिला को चमकीले लाल रंग के उत्सवी परिधान 'वियाना डू कास्टेलो' में दिखाया गया है, जबकि एक भारतीय महिला को कढ़ाई वाले काले कालबेलिया परिधान में दिखाया गया है।

टी20 क्रिकेट में

कोहली ने 13,000 रन पूरे किए

मुंबई/भाषा। विराट कोहली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु और मुंबई इंडियंस के बीच इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले के दौरान टी20 क्रिकेट में 13,000 रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बन गए। कोहली ने इस आईपीएल सत्र में अपना दूसरा अर्धशतक जड़ा और इस तरह खेल के सबसे छोटे प्रारूप में 13,000 रन बनाने वाले दुनिया के पांचवें बल्लेबाज बन गए। दाएं हाथ के इस महान बल्लेबाज ने अपने करियर में 400 से अधिक मैचों में यह उपलब्धि हासिल की। कोहली ने पिछले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गये टी20 विश्व कप में भारत के चैंपियन बनाने के अभियान में अहम योगदान देने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय को अलविदा कह दिया था। उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 125 मैच खेले और एक शतक और 38 अर्धशतक के साथ 48.69 की औसत और 137.04 की स्ट्राइक रेट से 4,188 रन बनाए। वह रोहित शर्मा (4,231 रन) और पाकिस्तान के बाबर आजम (4,223) के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। रोहित 451 मैचों में 11,851 रन के साथ ओवरऑल टी20 क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। कोहली ने सोमवार को आईपीएल मुकाबले से पहले 38.93 की औसत और 132 से अधिक की स्ट्राइक रेट से नौ शतकों और 98 अर्धशतकों के साथ 12,983 रन बनाए थे।

सीमा की रक्षा के लिए इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली तैनात की जा रही है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि सरकार देश की सीमाओं की रक्षा के लिए इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली तैनात कर रही है और जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की घुसपैठ को विफल करने के लिए सीमा के आसपास सुरंगों का पता लगाने एवं उन्हें नष्ट करने के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया जाएगा।

कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अग्रिम सीमा चौकी विनय के दौरे के दौरान बीएसएफ कर्मियों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि वर्तमान में 26 से अधिक प्रौद्योगिकी संबंधी पहल का परीक्षण किया जा रहा है, जिनमें ड्रोन रोधी प्रौद्योगिकी भी शामिल है।

मंत्री ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के योगदान की सराहना की और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए जवानों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सुरक्षा बलों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक और सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उन्होंने कहा, ''सीमा पर तैनाती के लिए इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली के दो मॉडल विकसित किए गए हैं। पूरी सीमा पर इनके स्थापित होने के बाद सैनिकों को सूचना प्राप्त करना और तकनीक का इस्तेमाल करके दुश्मन की किसी भी हरकत पर तुरंत कदम उठाना बहुत आसान हो जाएगा।'' शाह ने कहा कि घुसपैठ का पता लगाने और सुरंगों की पहचान करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करके कई परीक्षण किए गए हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि कुछ वर्षों में भारत-पाकिस्तान और भारत-बांग्लादेश सीमाओं पर तैनात सुरक्षा बलों को तकनीकी सहायता से पूर्णतः लैस कर दिया जाएगा।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

उसे सब खबर

सबद कीर्तन अजां आरती,
अपने मन से चुनता है।
माया के इस मकड़जाल को,
निज हाथों से बुनता है।
क्यों इस शोर शराबे में तू,
अपने सिर को धुनता है।
चींटी के पैरों की आहट,
को भी मालिक सुनता है।।

रसोई गैस सिलेंडर के दाम बढ़े

सीएनजी के दाम बढ़े, पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क में भी वृद्धि

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए प्रति सिलेंडर और सीएनजी की कीमत में एक रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी करने के साथ ही अपना राजस्व बढ़ाने के लिए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क भी दो रुपए प्रति लीटर बढ़ा दिया। हालांकि, पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर उत्पाद शुल्क में वृद्धि का कोई असर नहीं होगा।

■ **50 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़े**

रसोई गैस की कीमत में बढ़ोतरी 'उज्ज्वला' योजना के तहत लाभान्वित गरीबों और सामान्य उपयोगकर्ताओं दोनों के लिए होगी।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि गैस कीमतों में 50 रुपए की वृद्धि आठ अप्रैल से प्रभावी होगी। मूल्यवृद्धि के बाद उज्ज्वला उपयोगकर्ताओं के लिए रसोई गैस की कीमत राष्ट्रीय राजधानी में 503 रुपए से बढ़कर 553 रुपए प्रति सिलेंडर हो जाएगी। वहीं सामान्य उपभोक्ताओं के लिए अब 14.2 किलोग्राम के रसोई गैस वाले सिलेंडर की कीमत 853 रुपए हो जाएगी।

रसोई गैस की कीमतें स्थानीय करों के आधार पर अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न हैं। पिछली बार मार्च, 2024 में इनमें 100 रुपए की कटौती की गई थी।

इजराइल ने गाजा के 50 प्रतिशत हिस्से को अपने नियंत्रण में लिया

■ **इजराइल का कहना है कि उसकी यह कार्रवाई बंधक बनाए गए शेष लोगों को रिहा कराने के लिए हमास पर दबाव बनाने के लिए जरूरी है**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव/एपी। हमास के खिलाफ पिछले महीने युद्ध फिर से शुरू करने के बाद से इजराइल ने गाजा पट्टी में अपने प्रभाव का तेजी से विस्तार किया है और अब वहां 50 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र उसके नियंत्रण में है। इजराइली सैनिकों और अधिकार समूहों ने बताया कि सेना द्वारा नियंत्रित सबसे बड़ा निकटवर्ती क्षेत्र गाजा सीमा के आसपास है, जहां सेना ने फलस्तीनी मकानों, कृषि भूमि और बुनियादी ढांचे को इस हद तक तबाह कर दिया है कि अब वहां रहना असंभव है। हाल के सप्ताह में इस सैन्य 'बफर जोन' का आकार दोगुना हो गया है। इजराइल का कहना है कि उसकी यह कार्रवाई अस्थायी रूप से जरूरी है ताकि सात अक्टूबर 2023 को हुए हमले के दौरान बंधक बनाए गए शेष लोगों को रिहा करने के लिए हमास पर दबाव बनाया जा सके। हमास द्वारा सात अक्टूबर 2023 को किए गए हमले के बाद यह युद्ध शुरू हुआ था। बहरहाल, मानवाधिकार समूहों और गाजा संबंधी मामलों के विशेषज्ञों का कहना है कि इजराइल के कब्जे वाली भूमि में क्षेत्र के उत्तर को दक्षिण से विभाजित करने वाला गलियारा भी शामिल है और इसका इस्तेमाल दीर्घकालिक नियंत्रण के लिए किया जा सकता है।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पिछले सप्ताह कहा था कि हमास की हार के बाद भी इजराइल गाजा में सुरक्षा नियंत्रण बनाए रखेगा और फलस्तीनियों को वहां से जाने के लिए मजबूर करेगा।

26 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा/भाषा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में सोमवार को तीन इनामी माओवादियों समेत 26 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में चलाए जा रहे लोन वर्राटू (अपने घर/गांव वापस लौटो) अभियान से प्रभावित होकर तीन इनामी माओवादियों समेत 26 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया। अधिकारियों के अनुसार आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से राजेश कश्यप आमदई एरिया जनमिलिशिया का कमांडर था। उसके सिर पर तीन लाख रुपए का इनाम है। अधिकारियों का कहना है कि इसी तरह नक्सली कोसा माड़वी जनताना सरकार का अध्यक्ष था।

|| जय श्री राम || || जय श्री राम || || जय श्री राम || || जय श्री राम || || जय श्री राम || || जय श्री राम || || जय श्री राम ||

श्री सालासर बालाजी सेवा समिति, बेंगलूरु

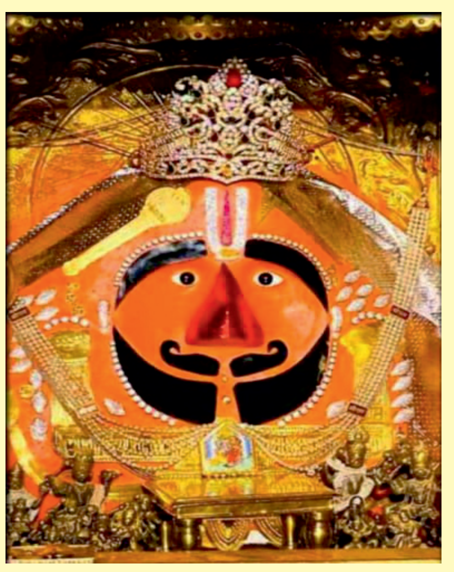

हार्दिक आमंत्रण

आंजनेय महोत्सव 2025

12 से 14 अप्रैल 2025

समारोह स्थल : श्री सालासर बालाजी सेवा समिति
बिलेकहल्ली, रांका कॉलोनी, बन्नरघट्टा रोड, बेंगलूरु - 560076

सिद्धगुरुवर सिद्धेश्वर ब्रह्मऋषि गुरुदेव
जिनकी एक दृष्टि जीवन की दिशा व दशा दोनों बदल देती है।

शनिवार, 12 अप्रैल :
* प्रातः 7 बजे : अन्नदान
* दोपहर 1:30 बजे : सुंदरकांड पाठ (महेंद्र स्वामीजी)
* सायं: 4:15 बजे : हनुमान जन्मोत्सव (पन्ना लखा गिल द्वारा भजन)
* 8:30 बजे : महाप्रसाद

रविवार, 13 अप्रैल :
शिला पूजा
केवल आमंत्रित सदस्यों के लिए
* भजन : मध्याह्न 3:45 बजे
* सायं: 4:15 बजे : गुरु आशीर्वाद और कल्याणकारी प्रार्थनाएं 'सिद्धगुरुवर' द्वारा
* 8:30 बजे : महाप्रसाद
आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

सोमवार, 14 अप्रैल :
गर्भगृह पूजन
सिद्धगुरुवर सिद्धेश्वर ब्रह्मऋषि गुरुदेव की दिव्य उपस्थिति में
केवल ट्रस्टी, आजीवन सदस्य और आमंत्रित अतिथियों के लिए

मुख्य अतिथि : श्री डी. के. शिवकुमार, उपमुख्यमंत्री, कर्नाटक
विशिष्ट अतिथि : श्री रामलिंगा रेड्डी, परिवहन एवं मुजराई मंत्री कर्नाटक सरकार
विशेष अतिथि श्री तेजस्वी सूर्या, लोकसभा सांसद
विशेष अतिथि श्री सतीश रेड्डी, विधायक, बोम्मनहल्ली

महेंद्र स्वामी, पन्ना लखा गिल, राजू खंडेलवाल, रामसुंदर बगड़िया, विमल पंवार

संपर्क सूत्र :
प्रमोद मुरारका, अध्यक्ष, 98450 25200
सतीश मित्तल, उपाध्यक्ष, 98801 93400
मनीत सोमानी, सचिव, 93421 60594
संजय शाह, निर्माण समिति चेयरमेन, 98440 23128
राजकमल गनेरीवाल, कोषाध्यक्ष, 98440 22468

विशेष सहयोगी
TripFactory

|| जय श्री राम || || जय श्री राम || || जय श्री राम || || जय श्री राम || || जय श्री राम || || जय श्री राम ||

|| श्रीराम जय राम जय जय राम || श्रीराम जय राम जय जय राम || श्रीराम जय || श्रीराम जय राम जय जय राम || श्रीराम जय राम जय जय राम ||

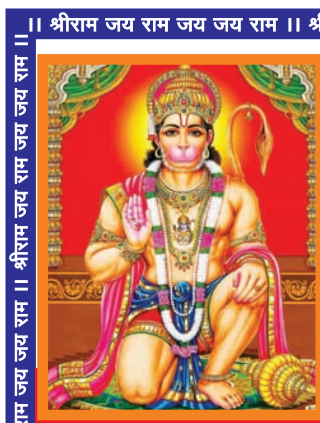

श्री हनुमान सेवा समिति, बेंगलूरु
की 30वीं प्रस्तुति
श्री हनुमान जन्मोत्सव
GODWAD BHAWAN
Behind Poornima Theater, Near Jain College, Lalbagh Road Cross, Bangalore
शनिवार, 12 अप्रैल 2025

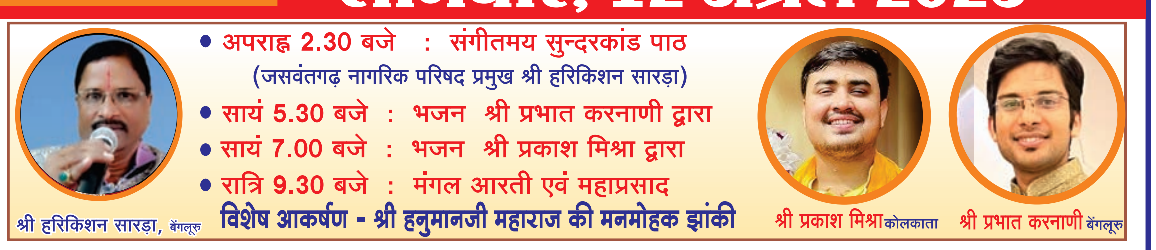

● अपराह्न 2.30 बजे : संगीतमय सुन्दरकांड पाठ
(जसवंतगढ़ नागरिक परिषद प्रमुख श्री हरिकिशन सारड़ा)
● सायं 5.30 बजे : भजन श्री प्रभात करनाणी द्वारा
● सायं 7.00 बजे : भजन श्री प्रकाश मिश्रा द्वारा
● रात्रि 9.30 बजे : मंगल आरती एवं महाप्रसाद
विशेष आकर्षण - श्री हनुमानजी महाराज की मनमोहक झांकी

श्री हरिकिशन सारड़ा, बेंगलूरु · श्री प्रकाश मिश्रा कोलकाता · श्री प्रभात करनाणी बेंगलूरु

सहयोगी संस्थाएं: अग्रवाल समाज कर्नाटक माहेश्वरी सभा स्वास्तिक सेवा संघ श्री श्याम मंदिर ट्रस्ट श्री गोपीकृष्ण संकीर्तन मंडल राधिका मंडल आरएलवी भक्त मंडल श्री गुर्जर गौड़ समाज सौरभ सांस्कृतिक संस्थान श्याम दीवाने आपणो परिवार मारवाड़ी युवा मंच नोखा नागरिक परिषद जसवंतगढ़ नागरिक परिषद विप्र फाउण्डेशन जोन 18 गौड़ ब्राह्मण संघ,कर्नाटक खांडल विप्र शाखा सभा श्री सालासर बालाजी सेवा समिति कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन श्री दादी धाम प्रचार समिति मां शाकम्भरी सेवा समिति श्री श्याम परिवार कीर्तन मंडल श्री श्याम सखा परिवार श्री श्याम सेवा संघ माहेश्वरी महिला संगठन श्याम मंडल

सभी श्रद्धालुगण सादर सपरिवार, मित्रों सहित आमंत्रित हैं
अमृततुल्य महाप्रसाद की व्यवस्था रखी गई है, कृपया अवश्य ग्रहण करें।

कमेटी मेम्बर: R.L. Bhutra, Shreekant Parashar, L.N. Daga, Sandeep Agrawal, Sushil Tibrewal, Praveen Rungta, Pawan Rungta, Suresh Jain, T.C. Goyal, Sajjan Sharma, Omprakash Mantri, Vinay Tibrewal, R.M. Jhawar, Kamlesh Didwaniya, Madan Maheshwari

gpi Granite Palace (India) Private Limited, Bannergata Road, Bangalore
: शुभकामनाओं सहित : रामेश्वरलाल भूतड़ा 98450 54812
gzi Granite Zone India Private Limited, Shoolagiri, Hosur Taluk, Tamilnadu

‘आपणो स्वस्थ राजस्थान’ हमारा संकल्प, प्रदेशवासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देना हमारी प्राथमिकता : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम ‘विकसित भारत और विकसित राजस्थान’ के विजन के साथ ‘आपणो अग्रणी राजस्थान–आपणो स्वस्थ राजस्थान’ के संकल्प को साकार करने की दिशा में प्रतिबद्धता से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने प्रदेशवासियों से जो वादा किया है, वह हर हाल में समय पर पूरा होगा। इसमें कोई लापरवाही नहीं होगी, यही हमारी कार्यशैली है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने पिछले एक साल में स्वास्थ्य सेवाओं में सकारात्मक सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य को केंद्र में रखते हुए विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आज निरामय राजस्थान जैसे व्यापक जन अभियान और विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का शुभारम्भ किया गया है। इनमें टाइप–1 डायबिटीज देखभाल के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भारत के पहले समर्पित कार्यक्रम मिशन मधुहारी की शुरूआत, मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना की शुरूआत, 24 मोबाइल मेडिकल यूनिट ‘राम रथ’ तथा 10 एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस को हरी झण्डी, 29 यूनिट में स्तनपान प्रबन्धन इकाइयों का शुभारम्भ, ईट राइट राजस्थान अभियान तथा मिशन लीवर स्माइल का शुभारम्भ शामिल हैं। साथ ही, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च, आयुष पद्धति से उपचार के लिए पैकेज का शुभारम्भ, एआई आधारित एकीकृत मॉनिटरिंग सिस्टम, 50 चिकित्सा संस्थानों में हीमो डायलिसिस वार्ड का शुभारंभ भी आज किया गया। विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नवीन विभाग एवं अन्य सुविधाओं का भी आज लोकार्पण किया गया। शर्मा सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में निरामय राजस्थान अभियान एवं स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के शुभारम्भ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मरीज चिकित्सकों को भगवान के रूप में देखते हैं तथा चिकित्सक भी स्वस्थ समाज के निर्माण में महती भूमिका निभा रहे हैं। शर्मा ने समस्त प्रदेशवासियों से अपील की कि वे निरामय राजस्थान अभियान का हिस्सा बनकर इसको जन अभियान बनाएं और आयुष्मान राजस्थान के संकल्प को साकार करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति की पद्धतियां स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देती हैं। साथ ही, संत–महात्माओं का भी अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में योगदान है। नवरात्र के नौ दिन संयम, उपवास और साधना के माध्यम से हमें यह सिखाते हैं कि हमारी संस्कृति में भी स्वास्थ्य का ध्यान रखा गया है।

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। गांव, गरीब और महिलाओं की पीड़ा को समझा है और स्वास्थ्य सेवाओं की कायापलट करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री जन–आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र जैसी योजनाओं से देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रांति आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने टाइप–1 डायबिटीज़ देखभाल के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भारत के पहले समर्पित कार्यक्रम मिशन मधुहारी को शुरू किया है। उन्होंने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसकी शुरुआत जयपुर, नागौर, उदयपुर और जोधपुर के 12 जिला और उप जिला अस्पतालों से की गई। अब प्रदेश के सभी जिलों में चरणबद्ध रूप से ये प्रारंभ की जा रही है। साथ ही, आज शुरू हुई मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना स्वास्थ्य सूचकांकों को बेहतर बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल है। इसके तहत प्रमुख स्वास्थ्य सूचकांक में शत–प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने वाली ग्राम पंचायत को 11 लाख रूपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

शर्मा ने कहा कि फैटी लीवर रोग से बचाव, रोकथाम एवं उपचार की दिशा में आज शुरू किया गया मिशन लीवर स्माइल कार्यक्रम एक कारगर कदम सिद्ध होगा। साथ ही, जंक फूड से दूर रहकर अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त करने की दिशा में आज ईट राइट राजस्थान अभियान का भी शुभारम्भ किया गया है। उन्होंने कहा कि शिशुओं को केवल स्तनपान करवाया जाना उनके बेहतर शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिये आवश्यक है। इसी के दृष्टिगत आज 12 मेडिकल कॉलेज अस्पतालों व 17 जिला अस्पतालों की कुल 29 यूनिट में स्तनपान प्रबन्धन इकाइयों का शुभारम्भ किया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षण प्रबंधन प्रणाली, मेडिकल कॉलेज जोधपुर में स्किल सेंटर और उम्मेद अस्पताल जोधपुर में मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, जेके लोन अस्पताल जयपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मेडिकल जेनेटिक्स और महिला चिकित्सालय, सांगानेरी गेट, जयपुर में रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एवं सर्जरी विभाग तथा महिला हॉस्टल का भी आज लोकार्पण किया गया है। निरामय राजस्थान के संकल्प को गति देने में ये सभी कार्य महत्वपूर्ण साबित होंगे।

डोटासरा ने सीआईडी कार्यालय पहुंचकर दर्ज कराए बयान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कोटा शहर में कांग्रेस के धरना–प्रदर्शन को लेकर दर्ज मामले में सोमवार को उदयपुर में अपराध जांच विभाग (सीआईडी) कार्यालय पहुंचकर अपने बयान दर्ज कराए। डोटासरा ने इस अवसर पर मीडिया से बातचीत में बताया कि कोटा में गत वर्ष 24 जून को राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के खिलाफ शांतिपूर्ण धरना–प्रदर्शन किया गया था। इसकी भाजपा नेताओं ने झूठी प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इस संबंध में यहां सीआईडी कार्यालय में बुलाने पर वह और जूली ने उपस्थित होकर अपने बयान दर्ज कराए हैं।

उन्होंने कहा कि सीआईडी कार्यालय से कल उनके पास फोन आया कि वह उनके बयान लेने के लिए आना चाहते है तो उन्होंने (डोटासरा) ने स्वयं ही यहां सीआईडी के कार्यालय में उपस्थित होकर बयान दर्ज कराने को कहा था। उन्होंने कहा कि हम कानून का सम्मान करते है इसलिये यहां उपस्थित हुए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पर 14 मामले है और भाजपा ने उनको मंत्री बना दिया है। उन्होंने कहा कि कानून सबके लिए सम्मान होना चाहिये।

डोटासरा ने कहा कि भाजपा सरकार उनके खिलाफ एक नहीं सौ झूठे मुकदमे दर्ज कर दे, हम कांग्रेस के कार्यकर्ता जनता की आवाज एवं समस्याओं को उठाने के लिए संघर्ष करते रहेंगे। इस मौके पर जूली ने कहा कि उनके तो हाथ में फ्रैक्चर था और कार्यक्रम में गये ही नहीं थे फिर भी उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई। लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं। ज़रूरत पड़ी तो जेल भी जाएंगे। उल्लेखनीय है कि कोटा में पिछले वर्ष 24 जून को कांग्रेस के धरना– प्रदर्शन के दौरान रेंज पुलिस महानिरीक्षक को धमकाने के आरोप में पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

भजनलाल ने अधिकारियों को परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को यहां जनसुनवाई कर लोगों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को उनके निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने सुबह मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की और वहां अपनी समस्या लेकर आये प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को सुना तथा अधिकारियों को इन समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण एवं चिकित्सा सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं सुनी तथा कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर परिवादी को राहत दी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवादियों की समस्याओं के निस्तारण के लिए मौके पर जाए, जिससे जमीनी स्थिति का पता चल सके एवं समस्या का समाधान शीघ्र किया जा सके। जनसुनवाई में जहां एक ओर मुख्यमंत्री ने आर्थिक तंगी से जूझ रहे जितेन्द्र के निःशुल्क इलाज तथा पूर्ण देखभाल के लिए अस्पताल प्रशासन को निर्देशित किया वहीं दिव्यांग स्ट्रीट वेंडर्स को उचित जगह उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए जिससे उन्हें राहत मिल सके।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने महिला, दिव्यांग, बुजुर्ग सहित सभी वर्गों के लोगों की फरियादों को सुना। उन्होंने संवेदनशीलता दिखाते हुए अधिकारियों को इन वर्गों की समस्याओं के तत्काल निस्तारण कर मुख्यमंत्री कार्यालय में रिपोर्ट करने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों द्वारा आगामी समय में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के पोस्टर विमोचन किए तथा सफल आयोजन की कामना की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

शेखावत ने जोधपुर के एमडीएम अस्पताल में नवीनीकृत नेत्र वार्ड का किया लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोमवार को यहां मथुरादास माथुर अस्पताल (एमडीएम) में नवीनीकृत नेत्र वार्ड का लोकार्पण किया। इस अवसर पर शेखावत ने समाजसेवी सुराणा परिवार द्वारा किए गए कार्य की सराहना करते हुए इसे प्रेरणास्पद बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ‘स्वस्थ भारत’ की परिकल्पना को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सुराणा परिवार द्वारा अपने परिजनों की स्मृति में कराए गए इस सेवा कार्य से प्रेरणा लेकर अन्य परिवारों को भी आगे आना चाहिए तथा सरकारी अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण में योगदान देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि यह नेत्र वार्ड समाजसेवी दिलीप सुराणा एवं डा अक्षय सुराणा द्वारा लालचंद सुराणा एवं श्रीमती सरदार देवी सुराणा की स्मृति में नवीनीकृत कराया गया है। यह वार्ड नेत्र रोगियों के उपचार के लिए एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा के रूप में विकसित हुआ है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद राजेन्द्र गहलोत ने की जबकि जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। इस अवसर पर डा एस एन मेडिकल कॉलेज जोधपुर के प्राचार्य डा बी एस जोधा, मथुरादास माथुर अस्पताल के अधीक्षक डा विकास राजपुरोहित, ट्रस्ट अध्यक्ष दिलीप सुराणा, सचिव सचिन सुरेश छाजेड़, उपाध्यक्ष सुरेश गांधी, कोषाध्यक्ष सुधा गर्ग, समाजसेवी नरेश सुराणा एवं पारस कवाड़ आदि भी मौजूद थे।

राजस्थान सरकार सेम की समस्या का करेगी समयबद्ध निस्तारण : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हनुमानगढ़। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही हैं और किसानों की सेम की समस्या के समाधान के लिए मजबूती से प्रयास किए जा रहे हैं तथा इसका समयबद्ध निस्तारण किया जायेगा। रावत सोमवार सुबह अपने हनुमानगढ़ दौरे पर पहुंचे और लखूवाली हैड, घग्घर नदी और डायवर्जन कैनाल का निरीक्षण किया और इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि वर्षों से जो समस्याएं थी, एक–एक करके उनका समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नहर में जल प्रदूषण रोकने के लिए पंजाब और केंद्र सरकार को पत्र लिखे गए हैं। इसका भी शीघ्र समाधान कर लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि मंगलवार को मुख्यमंत्री लखूवाली हैड आयेंगे और उनकी यात्रा की तैयारी को लेकर यहां विचार विमर्श किया गया। उन्होंने बताया कि बजट में सिंचाई तंत्र को अधिक मजबूती देने के लिए मुख्यमंत्री का यहां आभार प्रकट किया जायेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री की मंगलवार को जिले में प्रस्तावित यात्रा की तैयारियों को लेकर जनप्रतिनिधियों, जिला कलेक्टर काना राम और विभागीय अधिकारियों से चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री सुमित गोदारा, विधायक गणेश राज बंसल, पूर्व विधायक अभिषेक मटोरिया, जिला कलेक्टर काना राम, पुलिस अधीक्षक अरशद अली, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव (पश्चिम) अमरजीत सिंह, मुख्य अभियंता (उत्तर) प्रदीप रुस्तगी मौजूद थे।

मेरी विधानसभा में सफाई ना हो तो और जगह क्या बोलूंगा? : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को अपने विधानसभा क्षेत्र रामगंजमंडी की बुद्धखान एवं खैराबाद ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण करने के बाद बेहद नाराज नजर आये और कहा कि मेरी विधानसभा में सफाई ना हो तो और जगह क्या बोलूंगा। दिलावर ने इन ग्राम पंचायतों के निरीक्षण के दौरान कहा मैं पूरे प्रदेश का दौरा कर ग्राम पंचायतों में सफाई के लिए पाबंद कर रहा हूं। लगातार बार बार कहने के बाद भी यदि मेरी विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में रोज सफाई ना हो, रोज कचरा नहीं उठे तो फिर प्रदेश के और जगह पर कैसे कहूंगा। उन्होंने खंड विकास अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कोई भी हो मेरे काकाजी हो या मेरे पिताजी या कोई रिश्तेदार यदि सफाई ठीक से नहीं कर रहा है तो उसे ब्लैक लिस्ट कर दो। मुझे हर हाल में सफाई चाहिए।

इससे पहले मंत्री के काफिले को बुद्धखान गांव की तंग गलियों में देख ग्रामवासी दौड़ पड़े। दिलावर ने ग्रामीण महिलाओं से चर्चा करते हुए पूछा कि गांव में अब तो रोज सफाई हो रही है ना। महिलाओं ने कहा कि रोज तो नहीं हो रही। दो तीन दिन में एक बार झाड़ लगाने वाला आता है। मंत्री ने नाली सफाई करने वाले के बारे में पूछते हुए कहा कि सब नालियां जाम हो रही है और पानी रास्ते पर बह रहा है। इस पर ग्रामीणों ने बताया कि नाली साफ करने वाला कभी कभार आता है। इस पर मंत्री ने ग्राम विकास अधिकारी प्रेमचंद को फोन किया कि इतना कहने के बाद भी गंदगी क्यों हैं। ग्राम विकास अधिकारी ने कहा कि साहब टेंडर हो गया है। वह बार बार कहते है लेकिन ठेकेदार नहीं मानता।

दिलावर ने ग्राम विकास अधिकारी के बाहर रहने पर उससे मूवमेंट रजिस्टर नहीं भरा जाने के बारे में पूछने पर ग्राम विकास अधिकारी ने कहा गलती हो गई आकर भर दूंगा।

उच्च न्यायालय ने आसाराम की अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाई

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने दुष्कर्म के एक मामले में स्वयंभू संत आसाराम की अंतरिम जमानत अवधि सोमवार को एक जुलाई तक के लिए बढ़ा दी। आसाराम ने 31 मार्च को अपनी अंतरिम जमानत अवधि पूरी होने के बाद एक अप्रैल को जोधपुर केंद्रीय कारागार में आत्मसमर्पण कर दिया था। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता और न्यायमूर्ति विनीत कुमार की खंडपीठ ने आसाराम की याचिका को उन्हीं शर्तों पर स्वीकार किया, जो उच्चतम न्यायालय ने निर्धारित की थीं।

शर्तों में किसी भी तरह के प्रवचन या भक्तों के साथ एकत्र होने पर रोक शामिल है। आसाराम की याचिका पर दो अप्रैल को सुनवाई हुई थी, जिसमें प्रतिवादी के वकील पीसी सोलंकी ने राहत दिये पर आपत्ति जताई और दलील दी कि उन्होंने (आसाराम ने) इंदौर स्थित अपने आश्रम में भक्तों के लिए प्रवचन आयोजित करके जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया है। सोलंकी ने अपने दावे के समर्थन में अदालत में वीडियो साक्ष्य प्रस्तुत किए, जिसके बाद अदालत ने आसाराम से हलफनामा मांगा।

कई इलाकों में रिकॉर्डतोड़ गर्मी, बाड़मेर में तापमान 45 डिग्री पार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कई इलाकों में रिकॉर्डतोड़ गर्मी रही और रविवार को बाड़मेर में पारा सामान्य से 6.8 डिग्री अधिक 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। जयपुर स्थित मौसम केंद्र के अनुसार, रविवार को बाड़मेर में अधिकतम तापमान सामान्य से 6.8 डिग्री अधिक 45.6 डिग्री दर्ज किया गया, जो अप्रैल के प्रथम सप्ताह में सबसे ज्यादा है। बाड़मेर में तीन अप्रैल, 1998 को तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस रहा था, जो अब तक का सबसे अधिक था। वहीं जैसलमेर में अधिकतम तापमान 45 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 43.2 डिग्री, जोधपुर में 43 डिग्री, कोटा में 42.4 डिग्री और जालोर में 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री की बढ़ोतरी का अनुमान है। विभाग ने बताया कि छह–सात अप्रैल को दक्षिण–पश्चिमी राजस्थान में कुछ भागों में अधिकतम तापमान 44 से 45 डिग्री और पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री तक जा सकता है।

भ्रष्ट कांग्रेस सरकार को हटाने का संकल्प : प्रह्लाद जोशी

राज्य के लिए सिद्दरामय्या का क्या योगदान : विजयेन्द्र ■ 'आक्रोश यात्रा' मैसूरु से शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कांग्रेस सरकार पर गरीब विरोधी, जनविरोधी, किसान विरोधी और हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाया। उन्होंने सोमवार को यहां गांधी चौक पर जनाक्रोश यात्रा की शुरुआत के संबंध में आयोजित खुली विरोध रैली में बात की। उन्होंने कहा कि लोग सवाल कर रहे हैं कि दर्जनों बजट पेश करने वाले सिद्दरामय्या ने राज्य के लिए क्या योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता पूछ रही है कि आपने कौन सा विकास कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने मैसूरु जिले, जो उनका निर्वाचन क्षेत्र है, को विकास के लिए कोई पैसा नहीं दिया है; पिछली भाजपा सरकार में जब येडीयुरप्पा मुख्यमंत्री थे, तब हजारों करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा द्वारा शुरू किया गया यह संघर्ष देश की जनता की आवाज बनेगा। कांग्रेस सरकार ने मूल्य वृद्धि के माध्यम से जनविरोधी नीति अपनाई है। उन्होंने बताया कि यह यात्रा लोगों को कांग्रेस सरकार और जनविरोधी मुख्यमंत्री के जनविरोधी रवैये से अवगत कराने के लिए निकाली जा रही है।

सत्ता में आने से पहले अहिंसा के बारे में भाषण देने वाले सिद्दरामय्या मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद पिछड़े समुदायों को भूल गए। उन्हें कोई योजना नहीं दी गई। उन्होंने सिद्दरामय्या की 38 हजार करोड़ रुपये की एससीटी और टीएसपी निधि को अन्यत्र स्थानांतरित करने के लिए आलोचना की, जिसका उपयोग दलितों के कल्याण के लिए किया जाना था। उन्होंने आपत्ति जताई कि सिद्दरामय्या केवल अल्पसंख्यक नेता बनने जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने रैली का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह रैली भ्रष्ट कांग्रेस सरकार को हटाने के संकल्प के साथ हो रही है। उन्होंने मांग की कि गृहलक्ष्मी का बकाया भुगतान तुरंत किया जाए और दूध सब्सिडी तुरंत वितरित की जाए। हमारी स्थिति ऐसी हो गई है कि हमें जन्म लेने और मरने के बारे में सोचना पड़ रहा है। उन्होंने जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्रों के शुल्क में भारी वृद्धि की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बहुत चालाक होते हैं। कुछ लोग बेशर्म भी होते हैं, उदाहरण के लिए केरल के वायनाड में एक व्यक्ति की हाथी के कुचलने से मौत हो गई। उसके लिए कर्नाटक सरकार ने 25 लाख रुपये मुआवजा दिया। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि अगर कर्नाटक में व्यक्ति मरता है तो उसे पांच लाख रुपए मिलते हैं वहीं प्रियंका वाड्रा के निर्वाचन क्षेत्र में व्यक्ति को 25 लाख रुपए मिलते हैं। यह बहुत ही हास्यास्पद है।

कर्नाटक सरकार ने दूध, डीजल, पेट्रोल, रोड टैक्स और शराब की कीमतें भी बढ़ा दी हैं। वाहन कर, अस्पताल बिल और बस टिकट की कीमतें भी बढ़ गई हैं। कर्नाटक में कर वृद्धि से 70-75 हजार करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभरा है और उन्होंने झूठ बोलने की प्रवृत्ति के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने तीन तलाक के उन्मूलन, अनुच्छेद 370 को हटाने और सीएए के कार्यान्वयन के बारे में झूठ बोलने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण और महंगाई की इस कांग्रेस पार्टी की सरकार को उखाड़ फेंकना होगा। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा, अगर आप सुबह दूध पीते हैं तो अतिरिक्त टैक्स लगेगा और अगर शाम को पीते हैं तो 50 रुपये का अतिरिक्त टैक्स लगेगा। अंधेरा होने पर टैक्स की दर बढ़ जाती है; उन्होंने पूछा कि क्या वे एक ही ग्राहक हैं? उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह जनता का संघर्ष है, भाजपा का नहीं। पूर्व मुख्यमंत्री डीवी सदानंद गौड़ा, पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंदा कारजोला, पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटील, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी. एन. अश्वत्थनारायण, विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि, पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु, सांसद यदुवीर कृष्णराजदत्त वाडियार, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मुरुगेश निरानी, विधायक बैरती बसवराज और टी.एस. श्रीवत्स, राज्य महासचिव प्रीतम गौड़ा, पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा, मैसूर शहर अध्यक्ष एल. नागेन्द्र, मैसूर ग्रामीण अध्यक्ष एल.आर. महादेवस्वामी और कई अन्य वरिष्ठ नेता एवं पार्टी नेता इसमें शामिल हुए। कांग्रेस सरकार के खिलाफ निकाली जा रही जनाक्रोश यात्रा के तहत सुबह चामुंडेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद जुलूस मैसूरु में एमडीसीसी बैंक सर्कल (लश्कर पुलिस स्टेशन सर्कल) से शुरू हुआ। मंगलवार सुबह यह यात्रा मंडया पहुंचेगी और उसी शाम हासन जिले में प्रवेश करेगी और आगे मंगलूरु और मदिकेरी में भी पहुंचेगी।

विहिप मुस्लिमों को आरक्षण देने के खिलाफ आज राज्यव्यापी प्रदर्शन करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने सोमवार को कहा कि वह सरकारी ठेकों में मुसलमानों को दिए गए चार प्रतिशत आरक्षण के खिलाफ आठ अप्रैल को राज्यव्यापी प्रदर्शन करेगी। विहिप ने एक बयान में कहा कि वह कर्नाटक सरकार द्वारा विधानसभा में पेश किए गए उस विधेयक की कड़ी निंदा करती है, जिसमें मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव है।

बयान में कहा गया, हम इस असंवैधानिक निर्णय का पुरजोर विरोध करते हैं और इसके खिलाफ पूरे राज्य में प्रदर्शन किया जाएगा। बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में शाम चार बजे प्रदर्शन किया जाएगा।

विहिप ने कहा, कर्नाटक राज्य मंत्रिमंडल ने केटीपीपी में संशोधन किया है, जिसके तहत दो करोड़ रुपये तक के सिविल कार्य अनुबंधों और पांच करोड़ रुपये तक के माल/सेवा अनुबंधों को अनुमति दी गई है। एक करोड़ से ज़्यादा की आबादी वाले मुसलमानों के लिए सिर्फ चार प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है। ये श्रेणी 2बी के अंतर्गत आते हैं। यह आरक्षण पूरी तरह से धर्म (इस्लाम) पर आधारित है इसलिए यह अस्वीकार्य है। बयान में कहा गया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15 के अनुसार धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव निषिद्ध है। विहिप ने कहा, कर्नाटक सरकार ने तुष्टिकरण की राजनीति और वोट बैंक की भावना से प्रेरित होकर इस विधेयक को असंवैधानिक रूप से मंजूरी दी है।

बेंगलूरु में सॉफ्टवेयर इंजीनियर का शव फ्लैट में लटका मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चिक्काबनवारा इलाके में सोमवार को एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपने फ्लैट में कथित रूप से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रशांत नायर लेनोवो कंपनी में काम करता था। प्रशांत की पत्नी पूजा नायर भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। पुलिस को प्रशांत के आत्महत्या करने का संदेह है। उन्होंने बताया कि प्रशांत और पूजा की शादी 12 वर्ष पहले हुई थी और उनकी आठ साल की एक बेटी है। प्रशांत के पिता एमएन कुट्टी ने बताया कि उनके बेटे और पूजा के बीच अनबन थी और वे कुछ समय से अलग रह रहे थे।

कर्नाटक सरकार रेहड़ी पटरी वालों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार रेहड़ी पटरी वालों के समग्र कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और उनका समग्र विकास सुनिश्चित करेगी। यह आश्वासन राहुल गांधी द्वारा मुख्यमंत्री को लिखे उस पत्र के बाद आया है, जिसमें उन्होंने (राहुल ने) कर्नाटक में रेहड़ी-पटरी वालों की स्थिति के बारे में चिंता व्यक्त की थी।

सिद्दरामय्या ने अपने जवाब में राहुल गांधी को बताया कि 'कर्नाटक स्ट्रीट वेंडर्स रूल्स' तैयार करने वाले शुरुआती राज्यों में से एक था। इसकी प्रक्रिया 2013 से 2018 के बीच मुख्यमंत्री के रूप में उनके (सिद्दरामय्या के) कार्यकाल के दौरान शुरू की गई थी। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि रेहड़ी पटरी वालों का सर्वेक्षण और रेहड़ी पटरी वालों से संबंधित विभिन्न नगर समितियों के चुनाव पहली बार क्रमशः 2017 और 2019 में कर्नाटक में पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान आयोजित किए गए थे।

यही प्रक्रिया 2022 में भी दोहराई जानी थी, लेकिन दुर्भाग्यवश ऐसा नहीं किया जा सका।

उन्होंने कहा, लेकिन जैसे ही हम राज्य में सत्ता में लौटे, हमने सुनिश्चित किया कि रेहड़ी पटरी अधिनियम, 2014 के अनुसार रेहड़ी पटरी वालों का नया सर्वेक्षण कराया जाए। सिद्दरामय्या के अनुसार, सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और बेंगलूरु शहर में 27,655 विक्रेता पंजीकृत हो चुके हैं।

सोमवार को बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड में आयोजित कर्नाटक राज्य निगम, नगर निगम और नगर पालिकाओं के नागरिक कर्मचारियों के सम्मेलन में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मंत्री केएच मुनियप्पा, सफाई कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष नारायण और अन्य ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

बीबीएमपी के पौरकार्मिकों के लिए 100 करोड़ रुपए आरक्षित : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सोमवार को बेंगलूरु के पैलेस ग्राउन्ड में उन्होंने सोमवार को बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड में आयोजित कर्नाटक राज्य नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाओं के नागरिक कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि इस बार बीबीएमपी बजट में सिविल सेवकों के वेतन भुगतान के लिए 500 करोड़ रुपये की घोषणा की गई है। पेंशन के लिए 107 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मृतक के नाम पर 10 लाख रुपये आरक्षित करके 6,000 रुपये पेंशन देने की योजना लाई गई है। हमने सिविल सेवकों के लिए बीबीएमपी से कुल 730 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

उन्होंने कहा, जूते, दस्ताने और अन्य उपकरणों के वितरण के लिए 5 करोड़ रुपये, यूनिफॉर्म के लिए 6 करोड़ रुपये, बच्चों की शिक्षा शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए 6 करोड़ रुपये, स्वास्थ्य के लिए 4 करोड़ रुपये, एकल परिवारों के लिए अलग से 30 करोड़ रुपये, कौशल विकास के लिए 5 करोड़ रुपये, टैक्सी और ऑटो चालकों के लिए 10 करोड़ रुपये, कुल मिलाकर आपके कल्याण के लिए 64 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस सरकार का संकल्प सिविल सेवकों के जीवन में बदलाव लाना है। सिविल सेवकों को यह नहीं भूलना चाहिए कि वे हमारी ताकत हैं और देश की ताकत हैं, और कांग्रेस सरकार आपकी ताकत है। जैसे ही आपकी नौकरी स्थायी हो जाएगी, आपका वेतन 50 हजार तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा, हम व्यक्तिगत रूप से घर में सफाई रखते हैं। हम घर की सफाई करते हैं, तो क्या हम भी नागरिक कर्मचारी नहीं हैं? हम घर की सफाई करते हैं। आप शहर को सुंदर बनाते हैं। हम अंदर हैं, आप बाहर हैं। इसलिए, हमारे और आपके बीच कोई अंतर नहीं है।

उन्होंने कहा, हमने 2013 की सरकार के दौरान आपके लिए बहुत काम किया। 1,000 नगर निगम कर्मचारियों को विदेश यात्राओं पर भेजा गया। 2017 में हमारी कांग्रेस सरकार ने 10,000 नगर निगम कर्मचारियों की सीधी भर्ती की। 7.50 लाख घरों का निर्माण किया गया। उन्होंने कहा, कोरोना काल में पिता, माता और बच्चों ने एक-दूसरे को स्पर्श नहीं किया। ऐसी स्थिति में आप ही हैं, जिन्होंने पूरे देश और दुनिया को बचाया।

तेल और बाती मिलकर दीया बन गए, पाप और पुण्य मिलकर जीवन बन गए, शरीर और काम मिलकर भक्ति बन गए। आज हम आपसे जुड़ने आए हैं और हमें आपकी ताकत की जरूरत है। बसवन्ना ने एक अन्य श्लोक में हम सभी से कहा, चोरी मत करो, हत्या मत करो, झूठ मत बोलो, अपनी चापलूसी मत करो, दूसरों को नीची नजर से मत देखो, यही आंतरिक पवित्रता है, यही बाहरी पवित्रता है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह है कि व्यक्ति को अंदर और बाहर दोनों से शुद्ध होना चाहिए।

यदि उद्यमियों में साहसिक भावना हो तो ईश्वर भी उनकी सहायता करता है : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि जो लोग उद्यमी बनना चाहते हैं, अगर उनमें जोखिम लेने की प्रवृत्ति है, तो भगवान उनकी मदद करेंगे, जैसा कि कहावत है, 'उद्यम साहसम दैवम।' रविवार शाम यहां शारजाह व्यवसायी अल्फ्रेड मिरांडा की जीवनी 'रेलवे मैन्स सन' के विमोचन के अवसर पर बोलते हुए जोशी ने कहा कि सफल लोगों में नवाचार की प्यास होती है; अल्फ्रेड, एक साधारण रेलवे गार्ड के बेटे के रूप में जन्मे और संयुक्त अरब अमीरात में एक व्यवसायी के रूप में पले-बढ़े, इस बात के प्रमाण हैं कि उनके जुनून के कारण ईश्वर उनका हाथ थामे हुए हैं।

अल्फ्रेड की नकारात्मकता से दूर होकर सकारात्मक सोच अपनाना। हुब्बल्ली से गोवा, वहां से मुंबई और फिर दुबई जाना, बीमा सलाहकार के रूप में दुनिया के प्रतिष्ठित मिलियन डॉलर राउंड टेबल के लिए अर्हता प्राप्त करना और अमेरिका से आमंत्रित होना, कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। उन्होंने कहा कि इसमें उनकी मां एंजेला का समर्थन और पत्नी डॉली का सहयोग महत्वपूर्ण रहा। हुब्बल्ली धारवाड़ मुनिसिपल कॉर्पोरेशन (एचडीएमसी) द्वारा पुस्तक का परिचय कराया गया। स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्रीधर दंडप्पा का कहना है कि विदेश जाने के बाद कई लोग अपने दोस्तों से संपर्क खो देते हैं।

लेकिन अल्फ्रेड एकमात्र ऐसा व्यक्ति है जो अभी भी हुब्बल्ली में अपने बचपन के दोस्तों और स्कूल के साथियों के संपर्क में है और जहां भी जरूरत होती है, मदद करते हैं; उन्होंने महसूस किया कि चाहे वे कितनी भी दूर क्यों न पले-बढ़े हों, उस शहर के साथ संबंध बनाए रखना, जहां वे पैदा हुए और पले-बढ़े, अन्य अनिवासी भारतीयों के लिए एक उदाहरण है। फातिमा पी.यू. कॉलेज के प्रिंसिपल फेलिक्स मोंटेइरो ने कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि कोई व्यक्ति कितना लंबा जीवन जीता है, बल्कि यह महत्वपूर्ण है कि वह इसे कैसे जीता है; जिस व्यक्ति से परमेश्वर प्रेम करता है, उससे उसके लोग भी प्रेम करते हैं; उन्होंने कहा, अल्फ्रेड उन लोगों में से एक है। सेंट मैरी हाई स्कूल के प्रिंसिपल थॉमस चंपकरा ने कहा कि उन्हें अपने स्कूल के पूर्व छात्र को विदेश में उद्यमी बनते देखकर गर्व महसूस हो रहा है।

उद्यमी अल्फ्रेड मिरांडा ने कहा कि मासातानादी की नवाचार की खोज ने उन्हें नए अवसर प्रदान किए। कृति के लेखक संगमेश मेनासिनाकयी है। पूर्व सांसद प्रोफेसर आई.जी. सनदी मंच पर उपस्थित थे। लेनी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

'बड़े शहरों में छेड़छाड़ जैसी घटनाएं होती रहती हैं'

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि बेंगलूरु जैसे बड़े शहर में यहां वहां महिलाओं से छेड़छाड़ जैसी घटनाएं होती रहती हैं, हालांकि पुलिस की मुस्तैदी के कारण शहर में शांति है। एक महिला से कथित छेड़छाड़ के संदर्भ में उन्होंने कहा कि जब भी ऐसी कोई घटना होती है, तो यह लोगों का ध्यान खींचती है।

मंत्री ने कहा कि वह बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद को गश्त और निगरानी प्रणाली को मजबूत करने के लिए हर दिन निर्देश देते हैं। वह सुड्डागुंतेपल्या में एक सुनसान जगह पर एक महिला से छेड़छाड़ की घटना पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। मंत्री ने कहा, बारिश हो या सर्दी, हर स्थिति में पुलिस चौबीसों घंटे काम कर रही है। यही वजह है कि बेंगलूरु में शांति है। बेंगलूरु जैसे बड़े शहर में इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने कहा कि वह नियमित रूप से पुलिस आयुक्त को सतर्कता बरतने, बीट प्रणाली का नियमित रूप से पालन करने और निगरानी बढ़ाने के निर्देश देते हैं। परमेश्वर ने कहा, मैं उनको (पुलिस आयुक्त से) निर्देश देता हूं हर इलाके में अनुशासित और प्रभावी तरीके से गश्त होनी चाहिए। हम कानून के मुताबिक कार्रवाई करते हैं। बीट प्रणाली को बेहद प्रभावी बनाया जाना चाहिए। इसीलिए मैंने पुलिस आयुक्त को इस बारे में निर्देश दिया। पुलिस के अनुसार, तीन अप्रैल सुबह भारती लेआउट में दो महिलाएं टहल रही थीं, तभी एक व्यक्ति उनके पास आया और उनमें से एक को दीवार की तरफ धकेला और उससे छेड़छाड़ की।

सोना तस्करी मामला

कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव और दो अन्य की न्यायिक हिरासत 21 तक बढ़ाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की एक अदालत ने सोने की तस्करी के एक मामले में सोमवार को कन्नड अभिनेत्री रान्या राव और दो अन्य की न्यायिक हिरासत 21 अप्रैल तक बढ़ा दी। रान्या, व्यवसायी तरुण राजू और आभूषण विक्रेता साहिल जैन पर दुबई से भारत में 12.56 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के सोने की तस्करी की साजिश रचने का आरोप है। मामला 3 मार्च, 2025 को सामने आया था, जब राव उर्फ हर्षवर्धनी रान्या को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दुबई से कथित तौर पर तस्करी कर लाए गए 14.8 किलोग्राम सोने के साथ पकड़ा गया था।

उसके बाद, जांच से पता चला कि रान्या ने 2023 से 2025 के बीच दुबई की 45 बार अकेले यात्रा की थी, जिससे उसके व्यापक तस्करी नेटवर्क में शामिल होने का संदेह पैदा हो गया। जांच में पता चला कि उसका वीरा डायमंड्स ट्रेडिंग से संबंध है, जो दुबई स्थित एक कंपनी है और जिसकी उसने 2023 में अभिनेता और व्यवसायी तरुण राजू के साथ सह-स्थापना की थी। अधिकारियों का आरोप है कि इस कंपनी का इस्तेमाल तस्करी के लिए किया गया था। दुबई में सोना खरीदने और भारत में इसकी तस्करी में मदद करने के सबूत मिलने के बाद राजू उर्फ विराट कोंडुरु को गिरफ्तार किया गया था।

जांच में ज्वैलर साहिल जैन भी शामिल है, जिस पर रान्या को 40 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के लगभग 49 किलोग्राम सोने को बेचने में मदद करने का संदेह है। जैन ने कथित तौर पर हवाला लेनदेन का प्रबंधन किया, दुबई में बड़ी रकम हस्तांतरित की और संचालन में अपनी भूमिका के लिए कमीशन प्राप्त किया।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने आरोपी को तस्करी गतिविधियों से जोड़ने वाले पर्याप्त सबूत पेश किए हैं। अदालत ने आर्थिक अपराध की गंभीर प्रकृति को देखते हुए राजू को जमानत देने से इनकार कर दिया था।

मुदित मित्तल ने मैसूरु डीविजन के मंडल रेल प्रबंधक का पदभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। भारतीय रेलवे लेखा सेवा के वरिष्ठ अधिकारी मुदित मित्तल ने 7 अप्रैल को दक्षिण पश्चिम रेलवे के मैसूरु डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक का पदभार ग्रहण किया है। वे श्रीमती शिल्पी अग्रवाल का स्थान लेंगे। मित्तल आईआरएएस के 1996 परीक्षा बैच के हैं। वे प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रुड़की से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियर हैं, तथा नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के ली कुआन यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी से लोक प्रशासन में मास्टर डिग्री रखते हैं। मित्तल ने कई महत्वपूर्ण पदों पर अपने समृद्ध और विविध करियर में हुब्बल्ली, मुंबई, भोपाल, जबलपुर, कोलकाता, गोरखपुर और नई दिल्ली सहित देश भर में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। मैसूर के डीआरएम का पदभार संभालने से पहले, उन्होंने रेल मंत्रालय की बुनियादी संरचना शाखा, रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) में कार्यकारी निदेशक (वित्त) के रूप में कार्य किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

सुविचार

आप दुखों को गिनने बैठ जाओगे, जाहिर है खुशियों की गिनती भूल जाओगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'सिविक सेंस' की इतनी कमी क्यों?

ओडिशा के भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पर थूकने और गंदगी फैलाने वाले सैकड़ों लोगों पर जुर्माना लगाकर कड़ा संदेश दिया गया है। हालांकि जुर्माना लगाने मात्र से स्थिति बदलने वाली नहीं है। भारत में आज़ादी के बाद शिक्षा पर अरबों-खरबों रुपए खर्च किए गए। आज सब लोग जानते हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर थूकना, गंदगी फैलाना अच्छी बात नहीं है। फिर भी कई लोग ऐसा करते हैं! शिक्षा पर इतनी भारी-भरकम राशि खर्च करने के बावजूद यह स्थिति क्यों है? रेलवे स्टेशन ही नहीं, अस्पताल, बस स्टैंड, सरकारी दफ्तर, सार्वजनिक स्थान ... सब जगह तस्वीर एक जैसी नजर आती है। कई लोग खैनी, गुटखा, पान और न जाने कितने प्रकार के 'पदार्थ' मुंह में दबाकर इधर-उधर 'पिचकारी' छोड़ते रहते हैं। सरकारें इन पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगातीं? एक तो सेहत का नुकसान, ऊपर से सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी! ऐसी घटनाएं 'सिविक सेंस' की गहरी कमी को उजागर करती हैं। यह एक गंभीर सामाजिक समस्या है, जो हमारे देश की सुंदरता को बदरंग कर रही है। क्या वजह है कि जब हम न्यूयॉर्क, लंदन या टोक्यो जैसे शहरों के रेलवे स्टेशनों पर जाते हैं तो वहां बहुत अनुशासित होते हैं, नियमों का पूरा-पूरा पालन करते हैं, कतार में खड़े होते हैं, गंदगी फैलाने का तो ख़याल भी मन में नहीं आता है, लेकिन जैसे ही अपने देश के किसी रेलवे स्टेशन पहुंचते हैं तो नियमों का पालन करने में ढिलाई बरतने लगते हैं? नियमों का उल्लंघन सब लोग नहीं करते, लेकिन बहुत लोग करते हैं। वे गंदगी फैलाते हैं। जब कोई उन्हें टोकता है तो वे झगड़ा करने लगते हैं। यह दलील देते हैं कि अकेला मैं ही नहीं फैला रहा, 'उस व्यक्ति' को रोको!

दरअसल सिविक सेंस की यह कमी रातोंरात पैदा नहीं हुई है। हमारी शिक्षा व्यवस्था में उन बातों को सिखाने पर कोई खास जोर नहीं दिया गया, जो देश को स्वच्छ एवं सुंदर बना सकें। अगर बच्चों को इस बात का गहराई से बोध करा दिया जाए कि गंदगी फैलाना बहुत बुरी बात है तो वे स्वच्छता को अपने जीवन का हिस्सा बनाएंगे। उनके सामने बड़ों को आदर्श प्रस्तुत करना होगा। पहले वे स्वच्छता संबंधी आदतों को अपनाएं। हर पखवाड़े या हर महीने, एक दिन ऐसा तय करना चाहिए, जब सब लोग मिलकर अपने मोहल्ले की सफाई करें। जब बच्चे देखते हैं कि उनसे बड़े लोग सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर थूकते हैं, इधर-उधर कचरा फैलाते हैं, बसों-ट्रेनों में मूंगफली खाकर छिलके बिखेरते हैं, तो वे खुद ऐसा क्यों नहीं करेंगे? जब वे अपने चारों ओर यही सब देखकर बड़े होंगे तो भविष्य में खुद गंदगी फैलाएंगे। इसके बाद यह सिलसिला आगे बढ़ता जाएगा। जो लोग सार्वजनिक स्थानों पर थूकते या गंदगी फैलाते हैं, उनकी आदतों पर काफी हद तक लगाम लगाई जा सकती है। इसके लिए वहां सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने चाहिएं। जो व्यक्ति स्वच्छता संबंधी नियमों का उल्लंघन करे, उसकी सफाई उससे ही करवाई जाए। इसके साथ जुर्माना लगाया जा सकता है। इस बात का प्रचार सोशल मीडिया और अख़बारों के जरिए किया जाए। कुछ ही दिनों में लोगों की आदतों में सुधार दिखाई देने लगेगा। हालांकि इससे पहले जरूरी है कि पर्याप्त डस्टबिन लगाए जाएं। जगह-जगह मोटे अक्षरों में चेतावनी लिखी जाए कि 'आप कैमरे की नजर में हैं ... अगर यहां गंदगी फैलाएंगे तो उसकी सफाई आप ही को करनी होगी, जुर्माना लगेगा सो अलग!' यह प्रयोग एक महीने करके देखें, नतीजे उत्साहजनक मिलेंगे। सफाई कराने और जुर्माना लगाने में कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

बिहार के युवा साथियों, मैं 7 अप्रैल को बेगूसराय आ रहा हूं, पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा में आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने। लक्ष्य है कि पूरी दुनिया को बिहार के युवाओं की भावना दिखे, उनका संघर्ष दिखे, उनका कष्ट दिखे।

-राहुल गांधी

आज विद्याधर नगर विधानसभा के झोटवाड़ा इंडस्ट्रियल एरिया मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह एवं राज्य बजट 2025-26 पर चर्चा में सम्मिलित होकर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

-दीया कुमारी

सभी प्रदेशवासियों को विश्व स्वास्थ्य दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, इस विशेष दिवस पर हम सभी अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ अपने परिवार, समुदाय और पर्यावरण के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखने का संकल्प लें। स्वस्थ समाज ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकता है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

चरित्र से ही उन्नति

एक जिज्ञासु व्यक्ति ने एक संत से प्रश्न किया, 'महाराज, रंग-रूप, बनावट, और प्रकृति में एक जैसे होते हुए भी कुछ लोग अत्यधिक उन्नति करते हैं, जबकि कुछ लोग पतन के गर्त में डूब जाते हैं?' संत ने उत्तर दिया, 'तुम कल सुबह मुझे तालाब के किनारे मिलना, तब मैं तुम्हें इस प्रश्न का उत्तर दूंगा।' अगले दिन वह व्यक्ति सुबह उस बताए तालाब के किनारे पहुंचा। उसने देखा कि संत दोनों हाथों में एक-एक कमंडल लिए खड़े हैं। जब उसने ध्यान से देखा तो पाया कि एक कमंडल तो सही था, लेकिन दूसरे के पेंदे में एक छेद था। उसके सामने ही संत ने दोनों कमंडल तालाब के जल में फेंक दिए। सही वाला कमंडल तो तालाब में तैरता रहा, लेकिन छेद वाला कमंडल थोड़ी देर तैरता रहा, लेकिन जैसे-जैसे उसके छेद से पानी अंदर आता गया, वह डूबने लगा और अंत में पूरी तरह डूब गया। संत ने जिज्ञासु व्यक्ति से कहा, 'जिस प्रकार दोनों कमंडल रंग-रूप और आकार में एक समान थे, किन्तु एक कमंडल में एक छेद था, जिसके कारण वह डूब गया। उसी प्रकार मनुष्य का चरित्र उसे तैराता है। जिसके चरित्र में दोष रूपी छेद होता है, वह पतन के गर्त में चला जाता है, लेकिन एक सच्चे चरित्र वाला व्यक्ति इस संसार में उन्नति करता है।'

सामयिक

वक्फ ढांचे में कानूनी बदलाव बदले समय का प्रमाण

अवधेश कुमार
मोबाइल : 9811027208

वक्फ संशोधन के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में याचिकाओं की प्रतिस्पर्धा शुरू हो चुकी है। दोनों सदनों में पारित होने के अगले दिन से ही उच्चतम न्यायालय में याचिकाएं जाने लगी और होड़ लगी है कि कौन किसको पीछे छोड़ रहा है। संसद में पारित कानून की न्यायिक समीक्षा का अधिकार उच्चतम न्यायालय को हैं। किंतु विधेयक पर राष्ट्रपति महोदया के हस्ताक्षर के पहले ही उच्चतम न्यायालय जाना किस बात का द्योतक था? ऐसे कानून, कदम या सुधार, जिनके साथ मुस्लिम समुदाय किसी तरह जुड़ा हो उसके विरुद्ध भारत में ऐसी प्रतियोगिता आम हो चुकी है। एक साथ तीन तलाक, नागरिकता संशोधन कानून और जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरुद्ध भी हमने यही देखा। इन सभी मामलों की न्यायिक परिणति देश के सामने है। दूसरी ओर बिहार में जदयू, उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल आदि के विरुद्ध दबाव डालने की कोशिश है हो रही है। मुसलमानों का एक समूह सड़कों पर उतर रहा है, पार्टियों में दबाव डालकर कुछ इस्तीफा करवा रहा है और बयान दे रहा है कि चुनाव में सबक सिखा देंगे। संसद में बहस और मतदान के पूर्व नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू आदि के इफ्तार के बहिष्कार का भी आह्वान किया गया। बावजूद इन पार्टियों ने दोनों सदनों में वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया और विपक्ष के आरोपों का आक्रमक खंडन करते हुए तथ्य और तर्क प्रस्तुत किया।

हमारे सामने दो दृश्य दूसरे भी हैं। लोकसभा में बहस के पूर्व सभी पार्टियों ने ह्वीप जारी कर दिया था। राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट घोषणा की कि सांसद स्वतंत्र हैं, ह्वीप नहीं है, वे जैसे चाहें मतदान करें। इसके बावजूद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की संख्या से ज्यादा मत विधेयक के समर्थन में आए। इसके कोई निहितार्थ हैं या नहीं? दोनों सदनों में बहस और मतदान के दौरान देश में समर्थन और विरोध दोनों में मुसलमान उतरे। उन दो दिनों में समर्थकों की संख्या भी काफी ज्यादा थी। अलग-अलग धार्मिक संस्थाओं और संगठनों ने खुलकर विधेयक का समर्थन किया। इनमें वे मुस्लिम मजहबी नेता और संस्थाओं के प्रमुख शामिल थे जो पहले वक्फ में किसी प्रकार के संशोधन का घोर विरोध करते थे। तो इसके भी मायने हैं। यही बदले हुए भारत का प्रमाण है। आप न्याय करने की दिशा में संकल्प के साथ बढ़ते हैं तो भ्रम और विरोध कमजोर होते-होते समर्थन बढ़ता है।

ऐसे विषयों पर सुधार और परिवर्तन के संवैधानिक कानूनी कदमों के विरुद्ध प्रचार और रोकने की कोशिश पहली बार नहीं है। वक्फ कानून , उससे संबंधित बोर्ड और ट्रिब्यूनल या न्यायाधिकरण को मुस्लिम वोट पाने की नीति के तहत सुपर सरकार, सुपर प्रशासन और सुपर न्यायपालिका की भूमिका दे दी गई थी, उस ढांचे में लाभान्वितों तथा आनंद सुख भोगने वालों के अंदर छटपटाहट स्वाभाविक है। वक्फ कानून में संशोधन क्यों नहीं होना चाहिए था या संशोधन में क्या असंवैधानिक, इस्लाम विरोधी, मुस्लिम विरोधी है इसका एक तथात्मक उत्तर विपक्ष के किसी नेता द्वारा संसद में नहीं मिला। जब एक सदस्य ने कहा कि मुसलमान कानून को नहीं मानेगा तब गृह मंत्री ने कहा कि यह संसद द्वारा बनाया गया कानून है सबको मानना पड़ेगा। संसद द्वारा विहित प्रक्रिया के तहत पारित कानून पारित भारत के सभी क्षेत्रों और व्यक्तियों पर लागू होता है। कांग्रेस की नेत्री सोनिया गांधी ने लोकसभा में विधेयक पारित होने की प्रक्रिया को बहुमत के द्वारा संविधान का अतिक्रमण और लोकतंत्र का गला घोंटने के समान बता दिया। लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रिकॉर्ड रखते हुए बताया कि संप्रग सरकार ने 2013 में सिर्फ चार घंटे की चर्चा के बाद वक्फ संशोधन विधेयक पास कर दिया था जबकि इस बार दोनों सदनों में करीब 27 घंटे से ज्यादा का समय लगा। 3 अप्रैल को 11 बजे से आरंभ राज्यसभा की कार्यवाही अगले दिन सुबह 4 बजे तक चली। संयुक्त संसदीय समिति ने 113 घंटे की चर्चा, 25 वक्फ बोर्डों से संवाद, 15 राज्यों के प्रतिनिधियों से संवाद, विभिन्न समुदायों के कुल 284 प्रतिनिधिमंडलों ने समिति के समक्ष विचार और सुझाव प्रस्तुत किए एवं 92 लाख से ज्यादा ईमेल पर विचार के बाद विधेयक तैयार हुआ। यह प्रक्रिया लोकतंत्र और संविधान का गला घोंटने वाला हो गया हो तथा चार घंटे में पारित कानून लोकतंत्र और संविधान का पालन करने वाला?

वक्फ ने जिस तरह पूरे देश में संपत्तियों का दावा किया, कब्जे में लिया उसकी अनेक कथाएं रिकॉर्ड में सामने हैं। यह कैसी संवैधानिक व्यवस्था थी जिसमें वक्फ किसी संपत्ति पर दावा कर दे तो वक्फ ट्रिब्यूनल के अलावा आप कहीं नहीं जा सकते। ट्रिब्यूनल बरसों लगा देगा और फैसले को सिविल न्यायालय में चुनौती नहीं दे सकते। यानी आपकी संपत्ति गई। इसमें हिंदू और मुसलमान दोनों के साथ सार्वजनिक सरकारी संपत्तियां भी शामिल हैं। गृह मंत्री ने सदन में रिकॉर्ड पर कहा कि कोई गांव या शहर से बाहर नौकरी करने चला गया और उसकी संपत्ति वक्फ कर दी गई। इस्लाम किसी को दीन और बेसहारा के लिए अपनी संपत्ति के वक्फ करने की इजाजत देता है। इस पर न रोक है न हो सकती है। वक्फ में कोई बदलाव नहीं है। किंतु हम अपनी संपत्ति वक्फ में रजिस्ट्री करा सकते हैं दूसरे की संपत्ति पर कैसे दावा कर सकते हैं? सरकार कैसे संपत्ति वक्फ कर सकती है? यूपीए सरकार के सत्ता में आने के बाद सच्चर आयोग की नियुक्ति और उसकी रिपोर्ट के बाद पूरे देश में अलग से इस्लामी ढांचा स्थापित करने की प्रक्रिया में केंद्र और राज्य सरकारों ने अनेक संपत्ति वक्फ बोर्डों को दिया।

हमारी आपकी या किसी मंदिर की जमीनों के कागजात , राजस्व आदि का विषय जिला कलेक्टर के अधीन होगा किंतु वक्फ का नहीं हो यह कैसे कानून का पालन माना जाएगा? वक्फ इस्लाम का अंग है लेकिन भारत के संविधान और कानून के तहत सरकारों द्वारा गठित वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल इस्लाम का विषय नहीं हो सकता। उसे संविधान और कानून के अंतर्गत ही काम करना होगा। बोर्ड में महिला सदस्य होने की अनिवार्यता के विरोध के पीछे वही सोच है जिसके तहत तीन तलाक मामले पर पर्सनल लॉ बोर्ड में उच्चतम न्यायालय में प्रस्तुत शपथ पत्र में महिलाओं को कमअक्ल वाला लिखा था। कोई संपत्ति जिस उद्देश्य के लिए वक्फ हुआ उसका उपयोग उसके अनुरूप हो रहा है या नहीं तथा वक्फकर्ता ने स्वेच्छा से ऐसा किया या दबाव डालकर कराया गया इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेवारी प्रशासन की है। जिस संस्था में लगभग 41 हजार विवाद हों और उनमें 10 हजार मुसलमानों द्वारा किए गए उसे कायम नहीं रखा जा सकता था। वास्तव में वक्फ कानून में संशोधन एक लोकतांत्रिक और समानता के सिद्धांत के विरुद्ध, मजहब का अंग न होते हुए भी इस्लाम के नाम पर कुछ शक्तिशाली प्रभुत्वशाली मुस्लिम पुरुषों के एकाधिकार और निरंकुश ढांचे को ध्वस्त कर वक्फ की मूल सोच के अनुरूप संविधान की परिधि में लोकतांत्रिक चरित्र में परिणत करने का प्रगतिशील कदम है। ऐसे ढांचे को संसदीय व्यवस्था के तहत ध्वस्त करना, जिसको सरकारें बदलाव की आवश्यकता महसूस करते हुए भी स्पर्श करने तक से डरती रही हो, निस्संदेश साहसिक, ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम है। वक्फ की संपत्ति पर इस्लाम की मान्यता के अनुसार गरीब विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं तथा अनाथों का अधिकार है। वक्फ बोर्ड मेंआपको सामान्य मुस्लिम परिवार के सदस्य शायद ही मिलेंगे। अब इस दौर का अंत होगा तथा गरीब, वंचित, पसमांदा , महिलाएं सब इस्लाम की धारणा के अनुसार वक्फ के उचित उपयोग में भूमिका निभा सकेंगे। वक्फ ने पुराने मामलों के संदर्भ में बदलाव नहीं किया है लेकिन जिन पर विवाद है वे कायम रहेंगे। रिकॉर्ड में और ऑनलाइन आते ही सब पारदर्शी होगा। तो वक्फ के नाम पर हुए अन्याय के निराकरण का रास्ता प्रशस्त होगा और पीड़ितों को न्याय प्राप्त होने की ठोस संभावना बनेगी। ऐसे मामलों का सच देश के सामने होगा और इस्लाम के नाम पर हंगामा खड़ा करने वालों के चेहरे भी बेनकाब होंगे। भूमि या ऐसे मामले राज्यों के विषय हैं। तो अलग-अलग राज्यों का तंत्र सरकारों की राजनीतिक नीति के अनुसार काम करेगा और इनमें समस्याएं आएंगी। किंतु वक्फ के दावों के विरुद्ध पीड़ित को न्यायालय जाने से कोई नहीं रोक सकता। और सिविल न्यायालय में व्यक्ति की पहचान और कानून के अनुसार ही फैसला होगा।

नजरिया

जजों की संपत्ति का प्रकटीकरण पारदर्शिता की ओर कदम

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

न्यायपालिका पर जनता का भरोसा लोकतंत्र का अहम आधार है। न्यायिक प्रणाली में किसी संदेह की गुंजाइश नहीं रहे, इसके लिये न्यायपालिका में अधिक पारदर्शिता, जबावदेही एवं निष्पक्षता की जरूरत है, इसके लिये सर्वोच्च न्यायालय से निचली अदालतों तक के न्यायाधीशों को संपत्ति सार्वजनिक करने जैसे कदम उठाए जाने की अपेक्षा आजादी के अमृतकाल में तीव्रता से की जा रही थी, ताकि न्यायपालिका की पारदर्शिता को लेकर उठने वाले संदेह दूर हो सकें, यह मुद्दा जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर जली हुई नोटों की गड्डी मिलने जैसी घटनाओं और उनसे उपजे विवादों के बाद गंभीर सार्वजनिक विमर्श का बन गया था। जनचर्चाओं एवं आदर्श राष्ट्र-निर्माण की अपेक्षाओं को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर जो सहमति जताई है, वह सही दिशा में उठाया गया उचित एवं प्रासंगिक कदम है। इससे न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी और आम लोगों का उस पर भरोसा मजबूत होगा। देश में न्यायालयों को ऐसी संस्था के रूप में देखा जाता है, जो आम लोगों के लिए न्याय की आखिरी उम्मीद है। न्याय करने वाले न्यायाधीशों पर संदेह के बादल मंडराना न्याय-प्रक्रिया पर भरोसा कम करने का एक बड़ा कारण बनता रहा है। अब जनता की अपने पंच-परमेश्वरों की स्वच्छ-धवल छवि की आकांक्षा पूरी होते हुए दिखाई देना एक रोशनी बना है, जिससे न्याय प्रक्रिया के प्रति विश्वास ज्यादा मजबूत होगा। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

न्यायधीशों को भी अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करने का मुद्दा बहुत पुराना रहा है। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार हर न्यायाधीश को अपनी प्रॉपर्टी और देनदारियों के बारे में चीफ जस्टिस को बताना होता है। बाद में, एक और प्रस्ताव आया कि न्यायाधीश चाहें तो अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक कर सकते हैं, लेकिन यह अनिवार्य नहीं, स्वैच्छिक था। पिछले लगभग तीन दशक में, यह मामला कई बार उठा है। सूचना का अधिकार लागू होने के बाद यह बहस भी हुई कि न्यायपालिका इसके दायरे में क्यों नहीं? इसके पीछे यही तर्क रहा कि किसी निजी जानकारी को तब तक साझा करने की जरूरत नहीं, जब तक उससे सार्वजनिक हित न जुड़े हों। 2010 और 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट में यह केस आया था, तब इसी तथ्य को आधार बनाकर कहा गया कि जानकारी सार्वजनिक करना न्यायाधीशों की इच्छा पर है। एक तरह से यह व्यवस्था न्यायाधीशों को लगातार संदेहों के घेरे में रखती रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा का निर्णय न्यायपालिका में पारदर्शिता कायम करने वाला एक सराहनीय कदम होगा। जजों की संपत्ति सार्वजनिक करने की मांग के पीछे बड़ा तर्क भी यही दिया जाता रहा है कि जब तक जजों की संपत्ति सार्वजनिक नहीं होगी, न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों पर ठोस कार्रवाई संभव नहीं हो सकेगी। देश में न्याय की प्रक्रिया सहज, सरल पारदर्शी एवं समानतामूलक होने के साथ आम आदमी के भरोसे वाली होनी चाहिए। इसके लिये भारत की सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण होना चाहिए। भारतीयकरण के लिये ईमानदारी, निष्पक्षता, पारदर्शिता, जबावदेही आवश्यक मूल्य है।

सरकार की एक संसदीय समिति ने 2023 में सिफारिश की थी कि न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा अनिवार्य की जाए। हालांकि कतितय कारणों से सरकार इस मामले में आगे नहीं बढ़ी। इसका एक बड़ा कारण सरकार पर यह आरोप लगना भी बना कि सरकार न्यायपालिका में अनावश्यक राजनीतिक दखल दे रही है। लेकिन न्यायपालिका की साख के लिए उसका स्वतंत्र होना और दिखना भी जरूरी है। लेकिन सम्पत्ति की घोषणा के मामले में उन्हें अतिरिक्त सुविधा देना या उनके लिये अतिरिक्त सुविधा का होना, संदेह का कारण बनता रहा है। दरअसल, वर्तमान परिपाटी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये निजी संपत्ति का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना एक स्वैच्छिक परंपरा है। जिसे अनिवार्य बनाने की मांग की जाती रही है। निश्चय ही न्याय व्यवस्था के संरक्षक होने के कारण इसके स्वैच्छिक रहने पर तमाम किंतु-परंतु हो सकते हैं। यूं तो न्यायपालिका के कामकाज में कई तरह की गड़बड़ियां देखने को मिलती हैं। संपत्ति की घोषणा जैसे कई स्तरों पर न्यायिक सुधार के प्रयास आगे बढ़ाने की जरूरत नये भारत, सशक्त भारत एवं आदर्श भारत के लिये जरूरी है। अब अगर सर्वोच्च अदालत के जज खुद को भी उन कसौटियों पर कसने में नहीं हिचक रहे हैं जिन्हें वे दूसरों के लिए जरूरी मानते हैं, तो निश्चित ही इस कदम से एक सकारात्मक संदेश जरूर गया है।

न्यायिक पारदर्शिता को बढ़ाने के उद्देश्य से, सुप्रीम कोर्ट के सभी 30 मौजूदा न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति को न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करके सार्वजनिक रूप से प्रकट करने पर सहमति व्यक्त की है। यह घटनाक्रम न्यायपालिका में पारदर्शिता की कमी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बाद हुआ है, खासकर दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा से जुड़े विवाद के बाद। जिन न्यायाधीशों ने पहले ही अपनी घोषणाएं प्रस्तुत कर दी हैं, उनमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी शामिल हैं। इसे फैसले को न्याय के प्रति जनता के भरोसे को और मजबूत करने के लिहाज से सही एवं सामयिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो सुखद होने के साथ-साथ श्रेयस्कर न्याय-प्रक्रिया का द्योतक है। निश्चय ही यह एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। इस नवीनतम प्रस्ताव के साथ, सुप्रीम कोर्ट ने सामूहिक रूप से संपत्ति के खुलासे को सार्वजनिक रूप से सुलभ बनाने का निर्णय लेकर जवाबदेही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। भारत के अनेक पड़ोसी देश बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल आदि में न्यायाधीश अपनी संपत्तियों की घोषणा करते हैं। कई देशों में यह स्वैच्छिक है तो कुछ जगह अनिवार्य भी है।

न्यायपालिका ही फरियाद का अंतिम पड़ाव कहा जाता है। ऐसे में न केवल सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बल्कि न्यायपालिका के सभी स्तरों पर न्यायाधीश अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करें तो इससे जनता को उनके प्रति विश्वास बढ़ेगा। अब तक का अनुभव बताता है कि उच्च न्यायालयों के स्तर पर भी जजों में संपत्ति को सार्वजनिक करने की प्रवृत्ति काफी कम है। मार्च 2025 तक, उच्च न्यायालयों के कुल 763 में से सिर्फ 49 न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति सार्वजनिक की है। न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अभी इस दिशा में और प्रयासों की जरूरत है। निर्वाचित प्रतिनिधियों और नौकरशाहों को अपनी संपत्ति का सार्वजनिक खुलासा करना कानूनन अनिवार्य किया जा चुका है। ऐसे में आम जनमानस में धारणा बनी रहती है कि न्यायपालिका के बाबत भी कोई ऐसी पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए। यह प्रश्न न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता और जबावदेही से भी जुड़ा है। यहां उल्लेख करना समीचीन होगा कि विधि एवं न्याय विभाग की संसदीय समिति ने वर्ष 2023 में न्यायाधीशों के लिये अनिवार्य रूप से संपत्ति की घोषणा की सिफारिश की थी। लेकिन इस बाबत अभी तक कोई वैधानिक नियम नहीं बनाए गए हैं। लेकिन अब स्वयं न्यायपालिका की तरफ से ऐसी व्यवस्था लागू करने का सराहनीय प्रयास होना सुखद ही कहा जायेगा।

न्यायपालिका हमेशा से समाज में पारदर्शिता, प्रामाणिकता, निष्पक्षता व शुचिता की पक्षधर रही है। जनता इस कसौटी पर अपने न्याय के देवताओं को भी खरा उतरता देखना चाहती है। निस्संदेह इस तरह के फैसले का समाज में पारदर्शी व्यवस्था लागू करने की दृष्टि से दूरगामी प्रभाव भी होगा। इस दिशा में ऐसी किसी भी पारदर्शी व्यवस्था का समाज में स्वागत ही होगा। ऐसे किसी भी कदम से उस आम आदमी के विश्वास को भी बल मिलेगा जो हर तरह के अन्याय व भ्रष्टाचार से तंग आकर उम्मीद की अंतिम किरण के रूप में न्यायालयों का रुख करता है। वह न्यायाधीशों को न्याय, सत्य व सदाचारिता के प्रतीक के रूप में देखता है। वो न्याय देने वालों को न्याय की हर कसौटी पर खरा उतरता हुआ भी देखना चाहता है। यह न्याय की शुचिता की भी अनिवार्य शर्त है। जब एक अकेले व्यक्ति का जीवन भी मूल्यों एवं जीवन-मानकों के बिना नहीं बन सकता, तब एक न्याय-व्यवस्था मूल्यों, निष्पक्ष मानकों, पारदर्शिता एवं समानता के बिना कैसे शक्तिशाली एवं विश्वसनीय बन सकती है?

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बैठक

कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ सोमवार को बर्खास्त शिक्षक बैठक में भाग लेते हुए।

‘दुनिया बदल गई लेकिन यूएनएससी अटका हुआ है’

गांधीनगर/भाषा। संयुक्त राष्ट्र में भारत की पूर्व स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की स्थापना जिस उद्देश्य के लिए की गई, उसकी पूर्ति नहीं हो पा रही और कई देश इसका विस्तार चाहते हैं।

कंबोज ने दोहराया कि 1945 की दुनिया (जब यूएनएससी का गठन हुआ था) 2025 की दुनिया जैसी नहीं है। उन्होंने कहा कि दुनिया की 85 प्रतिशत आबादी वाले ‘ग्लोबल साउथ’ को संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में निर्णय लेने की प्रक्रियाओं से बाहर रखा जाना ‘आज बहुपक्षवाद के लिए एक बहुत ही वास्तविक चुनौती है’।

‘ग्लोबल साउथ’ से तात्पर्य उन देशों से है, जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप में जाना जाता है। ऐसे देश मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में स्थित हैं।

वह यहां राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में ‘21वीं सदी में बहुपक्षवाद: उभरती चुनौतियों के अनुकूल होना’ विषय पर बोल रही थीं। उन्होंने कहा, ‘‘क्या आपको लगता है कि यूएनएससी की संरचना समावेशी है? स्पष्ट रूप से नहीं। ‘ग्लोबल साउथ’ कहां है? दुनिया की 85 प्रतिशत आबादी, और ग्लोबल साउथ को यूएनएससी में जगह नहीं मिलती। संयुक्त राष्ट्र का गठन 1945 में 51 देशों की सदस्यता के साथ हुआ था। आज इसमें 193 देश हैं अर्थात इसमें चार गुना वृद्धि हुई है, लेकिन यूएनएससी समय के मामले में अटका हुआ है, समकालीन नहीं है, वह उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं कर रहा है, जिसके लिए इसे बनाया गया था।’’

कंबोज ने कहा कि भारत और जी4 के अन्य सदस्यों के साथ-साथ विकासशील देशों के एल69 समूह और अफ्रीकी संघ का मानना है कि यूएनएससी का विस्तार करके नए स्थायी और अस्थायी सदस्यों को शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ‘‘परिषद के काम करने के तरीके अधिक पारदर्शी, अधिक लोकतांत्रिक होने चाहिए। ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। ग्लोबल साउथ को बातचीत की मेज पर लाना बहुत महत्वपूर्ण है। अगर निर्णय लेने को अधिक वैध, अधिक प्रतिनिधित्व वाला और स्पष्ट रूप से अधिक प्रभावी बनाना है, तो हमें बातचीत की मेज पर आवाजों की अधिक विविधता की आवश्यकता है।’’ उन्होंने कहा कि इस दिशा में चर्चा भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से प्रेरित है, यह मुद्दा बहुत संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि ऐसा कोई भी परिवर्तन शक्ति संतुलन को बिगाड़ देगा, जिसे 1945 में ज्यादातर पश्चिमी देशों द्वारा ‘बहुत चतुराई से और स्पष्ट रूप से स्थापित’ किया गया था। उन्होंने कहा, ‘‘और अगर कोई विस्तार होता है, तो यह शक्ति के उस बहुत ही सावधानीपूर्ण बनाए गए संतुलन को बिगाड़ देगा। यह एक विशिष्ट क्लब है। पांच देश 188 देशों की इच्छा को दरकिनार कर देते हैं।’’

विजय माल्या का दावा, भारतीय बैंकों ने उन पर बकाया के मुकाबले दोगुना वसूला

नई दिल्ली/भाषा। भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या ने दावा किया है कि भारतीय बैंकों के पास उनकी 14,131.6 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियां है जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बकाया कर्ज से दोगुना से भी अधिक है। माल्या ने वित्त मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 में जानबूझकर चूक करने वालों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की वसूली के विवरण का कथित संदर्भ देते हुए कहा कि बैंकों ने ऋण वसूली न्यायाधिकरण के दिए गए 6,203 करोड़ रुपए के मुकाबले 14,131.8 करोड़ रुपए पहले ही वसूल लिए हैं। माल्या ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर लिखा, ‘‘ऋण वसूली न्यायाधिकरण के निर्णय के अनुसार, 6,203 करोड़ रुपए के कर्ज के खिलाफ 14,131.8 करोड़ रुपए की वसूली की गई। इसका सबूत मेरे यूके (यूनाइटेड किंगडम) दिवाला निरस्त करने के आवेदन में है। मुझे आश्चर्य है कि बैंक ब्रिटेन की अदालत में क्या कहेंगे।’’ रिपोर्ट में माल्या और 10 अन्य भगोड़े आर्थिक अपराधियों का विवरण साझा करते हुए कहा गया है कि 36 व्यक्तियों के संबंध में विभिन्न देशों को कुल 44 प्रत्यर्पण अनुरोध भेजे गए हैं। माल्या के मामले में कुर्क की गई 14,131.6 करोड़ रुपए की संपत्तियां सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के हवाले कर दी गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रयासों के परिणामस्वरूप विभिन्न भगोड़े आर्थिक अपराधियों और अन्य आरोपियों के प्रत्यर्पण में विदेश में सक्षम न्यायालय के समक्ष सफल प्रतिनिधित्व हुआ है। ‘‘इस संबंध में, यह उल्लेख करना उचित है कि ब्रिटेन की अदालत ने अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों और भारतीय दूतावास के साथ समन्वय के साथ प्रवर्तन निदेशालय के प्रभावी प्रतिनिधित्व के बाद कुछ बड़े आरोपियों को भारत प्रत्यर्पित करने की मंजूरी दी है।’’ ऋण वसूली न्यायाधिकरण की बेंगलूरु की पीठ ने 2017 में भारतीय स्टेट बैंक की अगुवाई वाले बैंकों के समूह को किंगफिशर एयरलाइंस मामले में समस्याओं में फंसे माल्या और उनकी कंपनियों से 11.5 प्रतिशत की वार्षिक ब्याज दर पर 6,203 करोड़ रुपए वसूलने की प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया था।

दुबई के शहजादे 8 और 9 को भारत यात्रा पर; प्रधानमंत्री, जयशंकर व राजनाथ से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली/भाषा। दुबई के शहजादे शेख हमदान बिन मोहम्मद अल मकतूम 8 और 9 अप्रैल को भारत की यात्रा पर रहेंगे और इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इसके साथ ही वह विदेश मंत्री एस जयशंकर तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बातचीत करेंगे और भारत-यूएई संबंधों को मजबूत करने के लिए एक व्यापार गोलमेज सम्मेलन में भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोमवार को एक बयान में कहा, ‘‘दुबई के शहजादे, यूएई के उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री शेख हमदान बिन मोहम्मद अल मकतूम 8-9 अप्रैल को भारत आएंगे।’’ इसमें कहा गया है, ‘‘दुबई के शहजादे के रूप में उनकी यह पहली आधिकारिक भारत यात्रा होगी।’’ बयान के अनुसार शेख हमदान की यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही है, जो 8 अप्रैल को शहजादा के लिए भोज की मेजबानी करेंगे। बयान में कहा गया है, ‘‘दुबई के शहजादे की यात्रा भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगी और दुबई के साथ हमारे बहुआयामी संबंधों को मजबूत करेगी।’’ अपनी यात्रा के दौरान वह मुंबई में दोनों पक्षों के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ व्यापार गोलमेज सम्मेलन में भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, ‘‘यह बातचीत पारंपरिक और भविष्य के क्षेत्रों में भारत-यूएई आर्थिक और वाणिज्यिक सहयोग को मजबूत करेगी।’’

फिल्म ‘धाकड़ सास’ का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

वेदकस्तूर सिनेमा के बैनर तले बन रही निर्माता सत्यवान पाटिल और निर्देशक सुजीत वर्मा की आगामी फिल्म धाकड़ सास का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। फिल्म धाकड़ सास,महिला सशक्तिकरण और रोमांचक एक्शन से भरपूर है, जिसमें मुख्य भूमिकाओं में विमल पांडे, अपर्णा मल्लिक, अनिता रावत, मनोज टाइगर और पुष्पेंद्र राय जैसे कलाकार शामिल हैं। निर्माता सत्यवान पाटिल ने बताया, यह फिल्म एक सशक्त स्त्री की कहानी है, जो समाज की रूढ़िवादी सोच को चुनौती देती है। हमें विश्वास है कि दर्शक इसे खूब पसंद करेंगे। वहीं, निर्देशक सुजीत वर्मा ने कहा, इस प्रोजेक्ट पर काम करना एक शानदार अनुभव रहा। हमने एक्शन और इमोशन का परफेक्ट बैलेंस बनाने की कोशिश की है। फिल्म में अपर्णा मल्लिक और विमल पांडे की जोड़ी के अलावा, अनिता रावत, पारितोष कुमार, देव सिंह और रीना मौर्या जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म की कहानी विशाल दीक्षित और प्राण नाथ ने लिखी है, जबकि संगीत साजन मिश्रा और गीत शेखर मधुर-धरम हिंदुस्तानी का है। फिल्म का छायांकन इमरान शगुन और संकलन जितेंद्र सिंह जीतू ने किया है, जबकि नृत्य निर्देशक एम.के. गुप्ता जॉय और कला निर्देशक बलिराम हैं।

‘चमकः द कन्क्लूजन’ में मनोज पाहवा के साथ काम करना सपने के पूरे होने जैसा : मोहित मलिक

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता मोहित मलिक का कहना है कि म्यूज़िकल थ्रिलर वेबसीरीज़ ’चमक: द कन्क्लूजन’ में मनोज पाहवा के साथ काम करना उनके लिये किसी सपने के पूरे होने जैसा था। सोनी लिव के शो ’चमक: द कन्क्लूजन’ में मोहित, मनोज पाहवा द्वारा निभाए गए प्रताप देओल के बेटे गुरु देओल का किरदार निभा रहे हैं। मनोज पाहवा के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए मोहित ने कहा, मनोज सर के साथ काम करना मेरे लिए किसी सपने के पूरे होने जैसा था। उनके जैसे अनुभवी अभिनेता के साथ स्क्रीन साझा करना न सिर्फ प्रेरणादायक था, बल्कि एक सीखने वाला अनुभव भी रहा। उनकी हर अदा और हावभाव में वर्षों का अनुभव झलकता है। उन्होंने सिर्फ मार्गदर्शन ही नहीं किया, बल्कि अपने सूक्ष्म इम्प्रोवाइजेशन से मेरे अभिनय को और निखार दिया, जिससे दृश्य कहीं अधिक प्रभावशाली बन पाए।

मोहित मलिक ने बताया कि शूटिंग के पहले ही दिन मनोज सर का व्यवहार अचानक सख्त हो गया, जिससे वह थोड़े असहज हो गए।

हमारे बीच पहले से बहुत अच्छा रिश्ता था, इसलिए शुरुआत में मैं थोड़ा हैरान था। लेकिन जल्दी ही मुझे समझ आ गया कि यह बदलाव किरदार की डिमांड के चलते था, जिसने मुझे भी अपने किरदार में ढलने में मदद की। मनोज सर जब सेट पर आते हैं, तो वे अपने किरदार को पूरी तरह से जीते हैं। यही उनके जैसे कलाकार के साथ काम करने का असली जादू है। सेट पर हर दिन एक मास्टरक्लास जैसा था, और मुझे खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे उनसे इतना कुछ सीखने को मिला। ’चमक: द कन्क्लूजन’ को रोहित जुगराज ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि निर्माण गीताांजलि मेहलवा चौहान, रोहित जुगराज और सुमीत दुबे ने किया है। इस सीरीज़ में मोहित मलिक और मनोज पाहवा के अलावा परमवीर सिंह चीमा, ईशा तलवार, मुकेश छाबड़ा, प्रिंस कंवलजीत सिंह, सुविंदर (विक्की) पाल और आकाशा सिंह प्रमुख भूमिकाओं में हैं। गिप्पी ग्रेवाल की विशेष उपस्थिति भी दर्शकों को चौंकाएगी।

‘सुस्वागतम् खुशामदीद’ की डबिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट ने अपनी आने वाली फिल्म ‘सुस्वागतम खुशामदीद’ की डबिंग शुरू कर दी है। पुलकित सम्राट रोमांटिक कॉमेडी जॉनर में अपनी नई फिल्म सुस्वागतम खुशामदीद के साथ दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार हैं।

अपनी ऊर्जावान परफॉर्मेंस और शानदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए मशहूर पुलकित ने इस फिल्म की डबिंग शुरू कर दी है। यह फिल्म 16 मई 2025 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। धीरज कुमार द्वारा निर्देशित यह फिल्म रोमांस, ड्रामा और सामाजिक संदेश का अनूठा मिश्रण होगी, जिसमें पुलकित एक नए अंदाज़ में नज़र आएंगे। उनकी को-स्टार इसाबेल कैफ़ के साथ उनकी केमिस्ट्री पहले से ही चर्चा का विषय बनी हुई है। सुस्वागतम खुशामदीद दर्शकों के लिए एक मनोरंजक सिनेमाई अनुभव साबित होने वाली है। पुलकित ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह डबिंग स्टूडियो में नज़र आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन लिखा,सुस्वागतम खुशामदीद डबिंग टाइम। फिल्म सुस्वागतम खुशामदीद के निर्माता शरवन कुमार अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, धीरज, दीपक धर, अज़ान अली, सुनील राव हैं, जबकि सह-निर्माता जावेद देओरियावाले हैं। फिल्म का निर्देशन धीरज कुमार ने किया है। इस रोमांटिक कॉमेडी में सह-कलाकारों की एक मजबूत टीम शामिल है, जिसमें साहिल वैद, प्रियंका सिंह, दिवंगत ऋतुराज सिंह, मेघना मलिक, दिवंगत अरुण बाली, नीला मुल्हेरकर, मनु ऋषि चड्ढा, प्रशांत सिंह, राजकुमार कनौजिया, मेहुल सुराणा, श्रुति उल्फत और सज्जाद डेलाफरोज़ शामिल हैं। फिल्म का संगीत ज़ी म्यूजिक कंपनी के प्रतिष्ठित बैनर के तहत रिलीज़ किया जाएगा, और इसे रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा इनसाइट इंडिया, एंडेमोल शाइन इंडिया, येलो एंट प्रोडक्शंस, शुर्भी एंटरटेनमेंट, अज़ान एंटरटेनमेंट और यू एंटरटेनमेंट के सहयोग से देशभर में 16 मई 2025 को रिलीज़ किया जाएगा।

दौरा

पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर असम की अपनी यात्रा के दौरान सोमवार को नागांव में मिसा पोलो क्लब का दौरा करते हुए।

विश्व स्वास्थ्य दिवसः रकुल प्रीत ने बताया, हेल्दी रहने के लिए क्या है सबसे अच्छी दवा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रकुल प्रीत अपने और परिवार के स्वास्थ्य को लेकर सचेत रहती हैं। ऐसे में विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर अभिनेत्री ने पोस्ट साझा कर प्रशंसकों को कुछ बेहतरीन टिप्स दिए। सिंह ने यह भी बताया कि स्वस्थ रहने के लिए सबसे अच्छी दवा कौन सी है। रकुल प्रीत ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह मुस्कुराती नजर आईं। अभिनेत्री ने आसान से टिप्स प्रशंसकों को दिए। उन्होंने बताया कि जिंदगी में हम कुछ चीजों को शामिल कर लें तो जिंदगी आसान बन सकती है। उन्होंने लिखा, आज विश्व स्वास्थ्य दिवस है और यहां मैं आप लोगों के साथ कुछ आसान सी चीजें लिख रही हूं, जिन्हें आप अपने जीवन में डेली रूटीन के तौर पर अपना सकते हैं। अभिनेत्री ने स्वस्थ रहने के मंत्र को शेयर करते हुए बताया कि इससे जिंदगी में बड़े बदलाव आएंगे। उन्होंने आगे लिखा, कुछ ऐसी चीजों का चयन करें जो स्वस्थ और विचारशील हों, जिससे आपको एनर्जी मिले। इसके लिए आप पढ़िए और अपने ज्ञान के स्तर को बढ़ाइए। प्रकृति के साथ जुड़िए, इससे शांति मिलती है। मैं इस एहसास को बयां नहीं कर सकती। अभिनेत्री ने पोस्ट में आगे बताया कि हमारे स्वास्थ्य में खेल का खासा स्थान है। उन्होंने लिखा, आपको अपने मनपसंद खेल का चुनाव करना चाहिए... मेरा गोल्फ है। आज के समय में खुद को शांत रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए ध्यान करें, जिससे शरीर और मन के बीच संतुलन बनता है और यदि आप दिन में सिर्फ 5 मिनट भी ध्यान लगाते हैं तो इससे बड़ा बदलाव आता है। पोस्ट के अंत में अभिनेत्री ने बताया कि जिंदगी में अपनी मासूमियत को बचाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया, मासूम बने रहिए और मुस्कुराते रहिए क्योंकि खुशी आपके स्वस्थ रहने के लिए सबसे अच्छी दवा है। छोटे स्तर पर शुरुआत कीजिए और मुझे बताइए कि आप पहले से क्या-क्या करते थे और आप अपने जीवन में क्या बदलाव लाना चाहेंगे। याद रखिए आपके लिए सबसे जरूरी है आपका स्वास्थ्य, आपका शरी। बता दें, रकुल की गिनती उन हस्तियों में की जाती है, जो स्वास्थ्य को लेकर सचेत रहती हैं। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मोटापे की समस्या को लेकर जागरूकता फैलाने वाले कैंपेन से भी जुड़ी हुई हैं।

अनुपम खेर की फिल्म ‘तन्वी द ग्रेट’ का फर्स्ट लुक आउट

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अनुपम खेर लगभग 22 साल बाद ‘तन्वी द ग्रेट’ के साथ निर्देशन की दुनिया में वापसी करने को तैयार हैं। उनकी मोस्टअवेटेड फिल्म का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है। खास संदेश से सजी फिल्म के केंद्र में अनुपम खेर के ’दिल का टुकड़ा’ तन्वी है। तन्वी द ग्रेट की पहली झलक शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, फर्स्ट लुक, मैंने आज से लगभग चार साल पहले ’तन्वी द ग्रेट’ फिल्म बनाने का फैसला किया था और फिर इसे लिखने और बनाने में मुझे चार साल लग गए! लेकिन अब धीरे-धीरे और ढेरों प्यार के साथ आप लोगों के साथ मेरे ‘दिल के टुकड़े’ को शेयर करने का समय आ गया है! अभिनेता ने फिल्म के मुख्य किरदार ’तन्वी’ की ओर इशारा करते हुए आगे लिखा, क्या वह असाधारण है? क्या वह यूनिक है? क्या उसके पास कोई सुपरपावर है? हम नहीं जानते। हम जो जानते हैं वह यह है कि... ’तन्वी’ अलग है, लेकिन कम नहीं! ’तन्वी द ग्रेट’ जल्द आ रहा है!

फर्स्ट लुक एक लड़की का है, जो सपनों, उम्मीदों के बीच खड़ी नजर आती है। उसमें खूब मासूमियत देखने को मिली। वीडियो के अंत में ’तन्वी’ कहती है...’मॉम, तन्वी इज रेडी’, जो इस बात की ओर इशारा करता है कि वह समस्याओं से लड़ने वाली एक मजबूत लड़की है। 1 अप्रैल को एक पोस्ट शेयर कर खेर ने

‘तन्वी द ग्रेट’ के बारे में बात की थी। वीडियो में वह कहते नजर आए, तन्वी द ग्रेट-द जर्नी: मेरी फिल्म तन्वी द ग्रेट तैयार है! धीरे-धीरे दुनिया को फिल्म के बारे में बताने का समय आ गया है! पता नहीं इसका प्रचार कैसे शुरू किया जाए। मार्केटिंग वाले अलग-अलग होते हैं और अच्छे सुझाव दे रहे थे! लेकिन मुझे लगा कि फिल्म की कहानी भले ही काल्पनिक है, लेकिन हमारी तन्वी काल्पनिक नहीं है! वह असली है!

उन्होंने आगे बताया, इसलिए प्रचार भी वास्तविक होना चाहिए। मुझे नहीं पता कि बात करते समय मेरी आंखें क्यों नम हो गईं। असल में, मुझे पता है क्यों! लेकिन मैं भविष्य में कभी आप लोगों के साथ यह कहानी शेयर करूंगा। अनुपम खेर के निर्देशन में तैयार फिल्म के संगीत को ऑस्कर विजेता एमएम कीरावनी ने कंपोज किया है।

फिल्म ‘ग्राउंड ज़ीरो’ का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म ‘ग्राउंड ज़ीरो’ का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म ग्राउंड जीरो एक रियल मिशन से प्रेरित है, जिसे साल 2015 में बीएसएफ के पिछले 50 सालों में सबसे बेहतरीन ऑपरेशन के तौर पर सम्मानित किया गया था। इस फिल्म में इमरान हाशमी असल ज़िंदगी के बीएसएफ कमांडेंट नरेंद्र नाथ धर दुबे के किरदार में इस बार एक बिल्कुल नए अंदाज़ में नज़र आ रहे हैं। ग्राउंड जीरो का ट्रेलर जबरदस्त एक्शन और इमोशन्स से भरपूर है। इसमें कश्मीर के हालात को बड़े ही असरदार तरीके से दिखाया गया है। ‘ग्राउंड जीरो’ एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनायी जा रही है। इस फिल्म के निर्माता रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर है। निर्देशक तेजस देवस्कर हैं, जबकि फिल्म को कासिम जगमगिया, विशाल रामचंदानी, संदीप सी. सिधवानी, अर्हन बगाटी, टेलिसमैन फिल्म्स, अभिषेक कुमार और निशिकांत रॉय ने मिलकर को-प्रोड्यूस किया है।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

गर्मियों में शॉपिंग को खास बनाने आ रही हाई लाइफ प्रदर्शनी

एक ही छत के नीचे मिलेंगी कई चीजें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। फैशन और स्टाइल के लिए मशहूर हाई लाइफ प्रदर्शनी का आयोजन यहां द ललित अशोक में 11 अप्रैल से होगा। यह प्रदर्शनी 13 अप्रैल तक जारी रहेगी। इसका समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक रहेगा। आयोजकों ने कहा कि हाई लाइफ प्रदर्शनी में समर ग्लैमर महसूस करें।

इसके जरिए अपनी वार्डरोब को रिफ्रेश करें। यहां ब्रीजी रिसॉर्ट वियर से लेकर स्टेटमेंट एक्सेसरीज़ तक, गर्मियों के लिए ज़रूरी परफ़ेक्ट कपड़ें मिलेंगे। इसके साथ ही शानदार फ़ैशन, बेहतरीन ज्वैलरी और बढ़िया होम डेकोर का लुत्फ़ उठाएं।

उन्होंने बताया कि हाई लाइफ प्रदर्शनी डिज़ाइनर फैशन, स्टेटमेंट ज्वैलरी, लग्जरी होम डेकोर और कई आकर्षक चीजों के खास कलेक्शन के साथ आ रही है।

यहां सुंदर परिधानों से लेकर ट्रेंडसेटिंग एक्सेसरीज तक, सबकुछ एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगा। इसके अलावा ब्राइडल, गोल्ड, फुट वियर, बेड लिनन, नेल आर्ट, लहंगा, डायमंड, बैग और क्लच, फर्निशिंग, स्किन केयर, कस्टम मेड, सिल्वर, कमर बेल्ट, रग्स एंड कार्पेट, फेस केयर, कीमती स्टोन्स, हेयर एक्सेसरीज, फर्नीचर, बालों की देखभाल, डिजाइनर सूट, मिट्टी के बर्तन, हाथ से बने साबुन, पोशाक, पेंटिंग, सुगंध संग्रह, भित्ति चित्र, डिजाइनर साड़ी, मास्क, ब्लाउज, फॉर्मल वियर, ऑफिस वियर, दीया, कैजुअल, कैंडल्स, सेमी कैजुअल, स्टेशनरी, लाउंज, ट्राउसेउ पैकिंग, पार्टी वियर, गिफ्टिंग, मेन्स एथनिक वियर, किड्स वियर, शॉल और स्टोल आदि उपलब्ध होंगे।

गोड़वाड़ भवन में 12 को सजेगा वीर हनुमान का दरबार

हनुमान सेवा समिति मनाएगी 'हनुमान जन्मोत्सव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

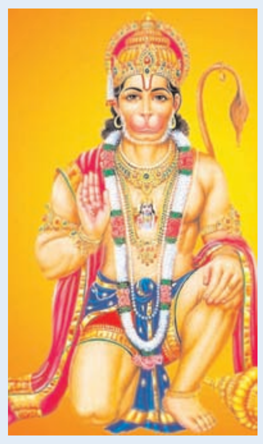

बेंगलूरु। शहर की प्रतिष्ठित संस्था हनुमान सेवा समिति 12 अप्रैल को गोड़वाड़ भवन में श्री हनुमान जन्मोत्सव' का आयोजन कर रही है। संस्था की यह 30वीं वार्षिक प्रस्तुति होगी जिसकी तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इस आयोजन को भव्य बनाने के लिए हनुमान सेवा समिति के साथ शहर की अनेक सामाजिक, धार्मिक संस्थाएं जुड़ी हुई हैं ताकि सभी हनुमान भक्तों तक इस आयोजन की जानकारी पहुँचे और अधिक से अधिक श्रद्धालु हनुमान जन्मोत्सव में शामिल हो सकें।

समिति के मदन माहेश्वरी ने बताया कि शनिवार को अपराह्न 2.30 बजे से सभा स्थल पर संगीतमय सुन्दरकांड का पाठ रखा गया है जिसमें जसवंतगढ़ नागरिक परिषद के हरिकिशन सारड़ा और उनकी टीम द्वारा संगीतमय सुन्दरकांड का पाठ होगा। शाम को 5.30 बजे से इस वर्ष बेंगलूरु के गायक प्रभात करनाणी व कोलकाता के सुप्रसिद्ध भजन गायक प्रकाश मिश्रा इस आयोजन में हनुमानजी के भजनों की प्रस्तुति देंगे। रात्रि 9 बजे मंगल आरती व महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है।

कार्यक्रम में श्री हनुमान जी की विशेष झांकी सजाई जाएगी। आयोजन से जुड़े विभिन्न सदस्यों ने शहर के सभी हनुमान भक्तों को सपरिवार व मित्र गणों के साथ हनुमान जन्मोत्सव में शामिल होने का निवेदन किया है।

शहर के कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट एसोसिएशन(खागा) द्वारा प्रकाशित सदस्यों की पूरी जानकारी वाली सदस्य निर्देशिका का विमोचन एक रिसोर्ट में रविवार को खागा द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राजस्थान के सहाड़ा के विधायक लादूलाल पितलिया सहित खागा पदाधिकारियों ने किया।

सांस्कृतिक रंगारंग समारोह में खागा सदस्य निर्देशिका का हुआ विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट एसोसिएशन(खागा) द्वारा प्रकाशित सदस्यों की पूरी जानकारी वाली सदस्य निर्देशिका का विमोचन एक रिसोर्ट में रविवार को खागा द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राजस्थान के सहाड़ा के विधायक लादूलाल पितलिया सहित खागा पदाधिकारियों ने किया। खागा के अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने सभी का स्वागत किया। सचिव कैलाश बालर ने खागा की उपलब्धियों की जानकारी दी। इस कार्यक्रम के सहयोगी भैरु कलेक्शन के शांतिलाल पितलिया एवं सुरेशकुमार मेहता थे।

इस अवसर पर लादूलाल पितलिया ने कहा कि खागा सदस्य के रूप में खागा के कार्यकलापों एवं कार्यक्षमता से भली भांति वाकिफ हूँ।

उन्होंने सभी व्यापारियों को ज्यादा से ज्यादा व्यवसाय करने के लिए प्रेरित किया। एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पीएच राजपुरोहित, उपाध्यक्ष नरपतसिंह राजपुरोहित, राजेश खैरा, संयुक्त सचिव बिशनसिंह वीराना, जोगसिंह पुरोहित, विकास जैन, कोषाध्यक्ष जोगेश जैन, पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, वसंत जैन, दिलीप जैन, गौतमचंद पोरवाल, डूंगरमल चौपड़ा सहित कार्यकारिणी समिति के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। संयुक्त सचिव बिशनसिंह ने धन्यवाद देते हुए कल्चरल कमेटी के चैयरमेन राजेश खैरा, बलवंत मेहता, प्रमोद सिंघवी, सिद्धार्थ जैन, गौरव शर्मा एवं डायरेक्टरी के चेयरमैन गौतमचंद पोरवाल के कार्य को सराहा। कार्यक्रम का संचालन सज्जनराज मेहता ने किया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 250 लोग हुए लाभान्वित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । रविवार को अक्कीतिम्मनहल्ली शांतिनगर के सरकारी स्कूल में लायंस क्लब बेंगलूरु सिटी आनंद द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 250 लोगों ने नि:शुल्क नेत्र, दंत, मधुमेह का परीक्षण करवाया तथा 100 जरुरतमंदों को चश्में बांटे गए। क्लब की ओर से सभी चिकित्सकों का सम्मान किया गया। अध्यक्ष दिलीप कोठारी, उपाध्यक्ष सुरेश धोका, मंत्री अभिषेक बांठिया, जिला अधिकारी विजयकुमार एवम सुनील खिमसुरा, मानव सेवा प्रमुख राणमल जैन, प्रोजेक्ट चेयरमैन आशीष बाफना आदि ने शिविर की व्यवस्था संभाली।

जेबीएन वी-प्रेन्यूर्स ने आपसी व्यापार कर बढ़ाया अपना नेटवर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो पगारिया जेबीएन वी-प्रेन्यूर्स की आखिरी बैठक में रेफरल नेटवर्क ने आपसी व्यवसाय संदर्भ का आदान-प्रदान किया, व्यावसायिक संबंधों को मजबूत किया और सामूहिक व्यापारिक विकास को बढ़ावा दिया। रेफरल हेड नीलम सांड ने सभी सदस्याओं के सहयोग की सराहना की। जेबीएन लीड नताशा भंडारी ने गत छह माह की उपलब्धियों, राजस्व वृद्धि, सफलताओं और प्रमुख झलकियों को आडियो वीडियो प्रजेन्टेशन से प्रस्तुत किया। रिफरेंस सेक्रेटरी ज्योति कोचेट्टा ने छह माह की यात्रा की उपलब्धियों का सारांश प्रस्तुत किया तथा व्यक्तिगत जेबीएन यात्रा अनुभव, सदस्यों और लीडरशिप टीम के साथ बिताए पलों को साझा किया। जेबीएन वी प्रेन्यूर्स में करीब 20 लाख रुपए का परस्पर व्यापार किया।

'के-टू-एच इंटीरियर्स' के उद्घाटन में समाज के गणमान्य लोग शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लम्बे अर्से से रियल एस्टेट क्षेत्र में कार्यरत संदीप टिबरेवाल ने रामनवमी के मौके पर रविवार को बेलंदूर गेट के पास इंटीरियर सेक्टर में अपना एक नया उद्यम के-टू-एच इंटीरियर्स' का शुभारंभ किया। 2,000 वर्गफीट के क्षेत्र में यह इंटीरियर एक्सपिरियंस सेंटर खोला गया है, जिसमें गृह साजसज्जा के विभिन्न विकल्प उपलब्ध हैं।

बोम्मनहल्ली के विधायक सतीश रेड्डी ने फीता काटकर इस नए एक्सपिरियंस सेंटर का उद्घाटन किया। उद्घाटन के मौके पर संदीप रमेश टिबरेवाल परिवार के हितैषी व संभावित ग्राहक उपस्थित थे। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ उद्यमी चंद्रप्रकाश रामसिसरिया, प्राइड ग्रुप के मुरारीलाल सरावगी, दक्षिण भारत राष्ट्रमत के समूह सम्पादक श्रीकांत पाराशर, शंकर जितानी, श्याम मंदिर ट्रस्ट के प्रभात किशनपुरिया, अग्रवाल समाज के मंत्री सतीश गोयल, दादी धाम प्रचार समिति के शिवकुमार टेकरीवाल, संजय चौधरी, अग्रवाल युवा संघ के रोहित केडिया, मारवाड़ी युवा मंच के रोशन सुल्तानिया, पूर्वांचल परिवार के राजेश जिंदल आदि अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वास्थ्य जांच शिविर

बेंगलूरु के तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम के अंतर्गत 266वें भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस एवं विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। गायत्री पार्क एवं संगोली रायण्णा पार्क में आयोजित शिविर में 116 लोगों ने लाभ लिया। तेयुप के जयंतीलाल गांधी, मिलन गांधी, राजेश देरासरिया, मुकेश नाहर एवं मुकेश भंडारी ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

धार्मिक संस्कार शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के तत्वावधान में जैन भवन अलसूर में बच्चों के लिए दस दिवसीय धार्मिक संस्कार शिविर आरंभ हुआ जिसमें 80 बच्चे भाग ले रहे हैं और 10 अध्यापक शिक्षण सेवा दे रहे हैं। धार्मिक ज्ञानार्जन के साथ आवश्यक संस्कार प्रशिक्षण के उद्देश्य से आयोजित शिविर का अलसूर संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया एवं पूर्व अध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया ने अवलोकन किया।

रक्तदान शिविर में 50 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। माता राजेश्वरीदेवी की जयंती के उपलक्ष्य में मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वावधान में हंस सत्संग आश्रम मेडाहल्ली कृष्णराजपुरम में कमांड हॉस्पिटल एयरफोर्स के सहयोग से भारतीय सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर का शुभारंभ कर्नाटक प्रभारी महात्मा तुरियानन्दजी ने किया। शिविर में कमांड हॉस्पिटल से 8 सदस्यीय टीम ने रक्तदाताओं की जांच की और 50 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। महात्मा आत्मवेदांतानंदजी एवं महात्मा गुणवंतानंदनजी ने भी रक्तदान किया। इस अवसर पर समिति की ओर से कमांड हॉस्पिटल एयरफोर्स टीम का सम्मान किया गया।

प्रवर्तन निदेशालय ने एक मंत्री के भाई के रियल्टी समूह पर छापा मारा

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तमिलनाडु के मंत्री के. एन. नेहरू के भाई के. एन. रविचंद्रन द्वारा स्थापित एक रियल एस्टेट समूह के खिलाफ जांच के तहत सोमवार को चेन्नई, तिरुचिरापल्ली एवं कोयम्बटूर स्थित विभिन्न परिसरों पर छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। रियल्टी कंपनी 'टीवीएच ग्रुप' की स्थापना रविचंद्रन ने की है सूत्रों ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने 'टीवीएच' समूह से जुड़ी जांच के तहत परिसरों में छापेमारी की है। रविचंद्रन तमिलनाडु के नगरपालिका प्रशासन, शहरी एवं जल आपूर्ति मंत्री नेहरू के भाई हैं।

तिरुचिरापल्ली द्रमुक के वरिष्ठ नेता के.एन. नेहरू का गृह नगर है और ईडी ने वहां भी उनसे संबंधित परिसरों की तलाशी ली।

शिष्यों के पठन पाठन के लिए जिम्मेदार होते हैं उपाध्याय : मलयप्रभसागर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में विराजित मुनिश्री मलयप्रभसागरजी ने नवपद जी ओली के चतुर्थ दिवस के अपने प्रवचन में कहा कि उपाध्याय यानी शिष्यों के पठन पाठन की जिम्मेदारी, विनय की प्रतिमूर्ति, निश्रावर्ती सभी साधुओं को संयम मार्ग में स्थिर करने का महान कार्य करने वाले साधु भगवन्त होते हैं। आचार्य शासन को चलाते हैं तो उपाध्याय संघ को मजबूती से आगमों के पठन पाठन से आगे बढ़ाते हैं। जिस वाणी को तीर्थंकरों ने कहा है कि उस वाणी को उपाध्याय पदधारी हमें सुनाते हैं। योग्य आत्मा को वात्सल्य, समझ, स्नेह देकर उसे धर्म में रत करना यह उनकी जिम्मेदारी है। आचार्य को तीर्थंकर की उपमा दी गई है तो उपाध्याय को गणधर की उपमा दी गई है।

तीर्थंकर अर्थ का उपदेश देते है तो आचार्य भी वही अर्थ का उपदेश देते है। मुमुक्षु को दीक्षा आचार्य देते हैं तो उपाध्याय उसे संभालते हैं। उपाध्याय पदधारी से हमें विनय गुण की याचना करनी चाहिए। उपाध्याय के 25 गुण होते हैं।

'आचार्य भिक्षु एक साहसिक, निडर और विलक्षण बुद्धि वाले संत थे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन विजयनगर में रविवार को 266वां भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस का आयोजन उपासिका सुमित्रा बरड़िया एवं उपासक छत्रसिंह मालू की उपस्थिति में किया गया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर ने सभी का स्वागत करते हुए आचार्य भिक्षु के प्रति अपनी भावांजलि अर्पित की। सुमित्रा बरड़िया ने कहा कि आचार्य भिक्षु एक साहसिक, निडर और विलक्षण बुद्धि वाले संत थे। छत्रसिंह मालू ने तेरापंथ प्रबोध के अभिनिष्क्रमण से संबंधित कुछ पद्यों का सामूहिक संगान कराया तथा स्वरचित गीत द्वारा आचार्य भिक्षु के प्रति अपनी भावांजलि अर्पित की। तेयुप विजयनगर की भजन मंडली विजय स्वर संगम के सदस्यों ने गीत प्रस्तुत किया। महिला मंडल की अध्यक्ष मंजु गादिया ने अपने विचार रखे। धनराज छाजेड़ ने गीत गाया और धन्यवाद दिया। इस मौके पर तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चौपड़ा, मंत्री संजय भटेवरा आदि उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com